● वर्ष-2
● अंक-261
रायपुर, शुक्रवार
23 जून 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

# मोदी-बाइडेन की द्विपक्षीय बैठक सम्पन्न

## इस यात्रा से भारत को अमेरिका की महत्वपूर्ण तकनीक मिलने वाली है

**वाशिंगटन।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में द्विपक्षीय वार्ता की। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ द्विपक्षीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिस गर्मजोशी से आपने मेरा और मेरे प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया उसके लिए मैं आपका शुक्रिया करता हूं। मैं विशेष रूप से आपका आभार व्यक्ति करता हूं कि आज आपने व्हाइट हाउस का द्वार भारतीय समुदाय के लोगों के लिए खोले। ओवल ऑफिस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज की तेजी से बदल रहे वैश्विक स्थिति में सभी की नज़र विश्व के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत और अमेरिका पर है। मेरा मानना है कि हमारी रणनीतिक साझेदारी मानव जाति के कल्याण, वैश्विक शांति और स्थिरता, लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाली सभी ताकतों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। जब कभी दो देशों के बीच बात की जाती है तो अकसर औपचारिक सांझा ब्यान, काम करने वाला समहू और आमतौर पर उसी दायरे पर बात होती है।

पीएम मोदी ने कहा कि इसका अपना महत्व है लेकिन भारत अमेरिका के रिश्तों का असली इंजन हमारे मज़बूत लोगों से लोगों का रिश्ता है। इस इंजन की जोरदार दहाड़ हमने व्हाइट हाउस के बाहर सुनी थी। पीएम ने कहा कि आप

हमेशा भारत के शुभचिंतक रहे हैं और जब भी आपको अवसर मिला आपने हमेशा भारत-अमेरिका के रिश्तों को ताकत दी है। मुझे याद है कि 8 साल पहले आपने यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल में महत्वपूर्ण बात कही थी। आपने कहा था कि हमारा लक्ष्य भारत का सबसे अच्छा मित्र बनना है। यह आपके शब्द आज भी गूंज रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस दौरान कहा कि पिछले 10 वर्षों में छोटे-छोटे कदम बड़ी प्रगति में बदल गए हैं। आज हमारे देशों के बीच साझेदारी पहले से कहीं अधिक मजबूत है। हम अंतरिक्ष, समुद्री प्रौद्योगिकी और हरित प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं।

### जेट इंजन डील महत्वपूर्ण

इस यात्रा से भारत को अमेरिका की महत्वपूर्ण तकनीक मिलने वाली है जिसे यूएस शायद ही किसी गैर सहयोगी देश के साथ साझा करता है। इससे दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे। इस यात्रा में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं हो सकती हैं। जैसे कि जनरल इलेक्ट्रिक को घरेलू लड़ाकू विमान बनाने के लिए भारत में इंजन बनाने की मंजूरी। भारत का जनरल एटोमिक से 31 सशस्त्र एमक्यू 9 बी ड्रोन खरीदना, अमेरिका रक्षा और उच्च तकनीक के क्षेत्र में व्यापार पर कई तरह की पाबंदियां लगाता है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि भारत से ये प्रतिबंध हटा लिए जाएंगे। इस दौरे पर सेमीकंडक्टर, साइबर स्पेस, एयरोस्पेस, कम्युनिकेशन और औद्योगिक एवं रक्षा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर भी बात होगी।

जीई एयरोस्पेस वेबसाइट के अनुसार, टर्बोफैन इंजन जनरल इलेक्ट्रिक के मिलिट्री एयरक्राफ्ट इंजन का हिस्सा है। 30 से अधिक वर्षों से अमेरिकी नौसेना द्वारा उपयोग किया जा रहा है। 1,600 से अधिक एफ414 इंजन वितरित किए गए हैं, जिससे विभिन्न प्रकार के मिशनों पर 5 मिलियन से अधिक की उड़ान पूरे कर चुके हैं। जनरल इलेक्ट्रिक के अनुसार, इंजन 22,000 पाउंड या 98 केएन के थ्रस्ट क्लास में हैं और इसमें फुल अथॉरिटी डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल (एफएडीईसी) जैसी उन्नत तकनीक है। लेटेस्ट एयरक्राफ्ट इग्निशन और इंजन कंट्रोल सिस्टम जो इंजन के प्रदर्शन को डिजिटल रूप से नियंत्रित करती है। जीई एयरोस्पेस वेबसाइट के अनुसार, इंजन में जिस तरह का कूलिंग मैटेरियल और दूसरी चीजें इस्तेमाल की गई हैं, उससे इंजन की परफॉरमेंस और लाइफ भी कई गुना बढ़ जाती है।

### एफ 414-संचालित जेट

जनरल इलेक्ट्रिक के अनुसार, आठ देशों के पास स्न414-संचालित विमान परिचालन में हैं या इसे लाने की तैयारी है। एफ414-जीई-400 इंजन अमेरिकी नौसेना के बोइंग एफ-ए-18 ई-एफ सुपर हॉर्नेट और ईए 18 जी ग्रोलर इलेक्ट्रॉनिक हमले वाले विमान को शक्ति प्रदान करते हैं। ल-इंजन संस्करण है। निर्माता की वेबसाइट का कहना है कि स्न414 इंजन कोरियाई चस्न-ङ्क जैसे उभरते प्लेटफार्मों को भी शक्ति प्रदान कर सकते हैं।

### भेंट की टेन प्रिंसिपल उपनिषद की प्रति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की सूक्ष्म नक्काशी वाला, चंदन की लकड़ी का एक विशेष हस्तनिर्मित, खूबसूरत बक्सा उपहार स्वरूप भेंट किया जो अनुभव के साथ साथ भारतीय परंपरा के मूल्यों और सम्मान को रेखांकित करता है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने उपनिषदों के 10 सिद्धांत पर आधारित पुस्तक के अंग्रेजी अनुवाद के पहले संस्करण की एक प्रति भी राष्ट्रपति बाइडेन को भेंट की। इस पुस्तक के सह रचयिता बाइडेन के प्रिय कवि विलियम बटलर येट्स और पुरोहित स्वामी हैं। यह पुस्तक भारतीय आध्यात्मिकता और गुरूदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की प्रतिष्ठा पर साझी सराहना को दर्शाती है। यह पुस्तक 1937 में प्रकाशित हुई थी और येट्स के अंतिम कार्यों में से एक है। सरकार ने एक प्रेस बयान में कहा कि लंदन के मेसर्स फेबर एंड फेबर लिमिटेड द्वारा प्रकाशित और यूनिवर्सिटी प्रेस ग्लासगो में मुद्रित इस पुस्तक, द टेन प्रिंसिपल उपनिषद के पहले संस्करण की एक प्रति राष्ट्रपति बाइडेन को उपहार में दी गई है। भारतीय आध्यात्मिकता के प्रति येट्स की प्रशंसा बहुत गहरी थी और वह उपनिषदों और भारत की अन्य प्राचीन ज्ञान धाराओं से गहराई से प्रभावित थे। येट्स का भारत के प्रति गहरा आकर्षण था और वह भारतीय आध्यात्मिकता से बहुत प्रभावित थे।

## इन दिनों

# चाचा-भतीजे की लड़ाई सामने आई

महाराष्ट्र की राजनीति में अक्सर नये मोड़ आते रहते हैं या नये घटनाक्रम होते रहते हैं। आज की रिपोर्ट में हम बात करेंगे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में मचे नये तूफान की और महाराष्ट्र सरकार में शामिल एक मंत्री के सनसनीखेज दावे की। सबसे पहले बात करते हैं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की। अभी हाल ही में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने अपनी बेटी और सांसद सुप्रिया सुले को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर महाराष्ट्र की जिम्मेदारी सौंपी थी। पवार ने इसके साथ ही वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल को भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर उन्हें अन्य राज्यों की जिम्मेदारी दी थी। उस समय अजित पवार के बारे में कहा गया था कि वह महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पद पर हैं इसलिए वह वही काम करते रहेंगे। पार्टी ने यह भी कहा था कि अजित पवार की राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी में कोई भूमिका निभाने की इच्छा नहीं है और वह महाराष्ट्र की राजनीति ही करना चाहते हैं इसलिए वह नेता प्रतिपक्ष जैसी महत्वपूर्ण भूमिका में बने रहेंगे। उस दौरान अजित पवार ने खामोश मन से जिस तरह शरद पवार का निर्णय स्वीकारा था उससे माना गया था कि राकांपा में उत्तराधिकार के मुद्दे को हल कर लिया गया है। लेकिन अब जिस तरह से अजित पवार ने अपने मन की बात सामने रखी है उससे स्पष्ट हो गया है कि भतीजे को यह कतई मंजूर नहीं है कि चाचा के साथ मिलकर उन्होंने जिस पार्टी को खड़ा किया था उसकी कमान वह अपनी बेटी को दे दें। यह कुछ वैसा ही है जैसा कि शिवसेना में बाला साहेब ठाकरे के जमाने में देखने को मिला था। उस समय उनके भतीजे राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे को शिवसेना की कमान सौंपे जाने का विरोध करते हुए कहा था कि जिस पार्टी को खड़ा करने के लिए उन्होंने अपना पसीना बहाया उसकी कमान एकतरफा रूप से अपने पुत्र को सौंपा जाना गलत है। अजित पवार ने अब जो कुछ कहा है उससे महाराष्ट्र की राजनीति में नया तूफान आ गया है। अजित पवार ने पार्टी नेतृत्व से अपील की है कि वह उन्हें महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी से मुक्त कर दें और उन्हें पार्टी संगठन में कोई भूमिका सौंपें। मुंबई में आयोजित, राकांपा के 24वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में अजित पवार ने यह मांग रखी। ताजा अटकलों को हवा देने वाली एक टिप्पणी में अजित पवार ने यह भी कहा है कि मुझे बताया गया है कि मैं नेता प्रतिपक्ष के तौर पर सख्त व्यवहार नहीं करता हूं। पहले भी इस तरह की अटकलें लगती रही हैं कि अजित पवार पार्टी छोड़ सकते हैं। जब पिछले दिनों शरद पवार ने एकाएक राकांपा अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था तब अजित पवार ने उनके इस्तीफे का स्वागत भी किया था लेकिन बाद में पार्टीजनों के मनाये जाने पर शरद पवार ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया था। अजित पवार पिछले विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा के साथ जाकर उपमुख्यमंत्री पद की शपथ भी ले चुके हैं। हालांकि वह सरकार चल नहीं पाई थी और फिर बाद में वह पार्टी में लौट आये थे और उद्धव ठाकरे की सरकार में राकांपा कोटे से कैबिनेट मंत्री बने थे।

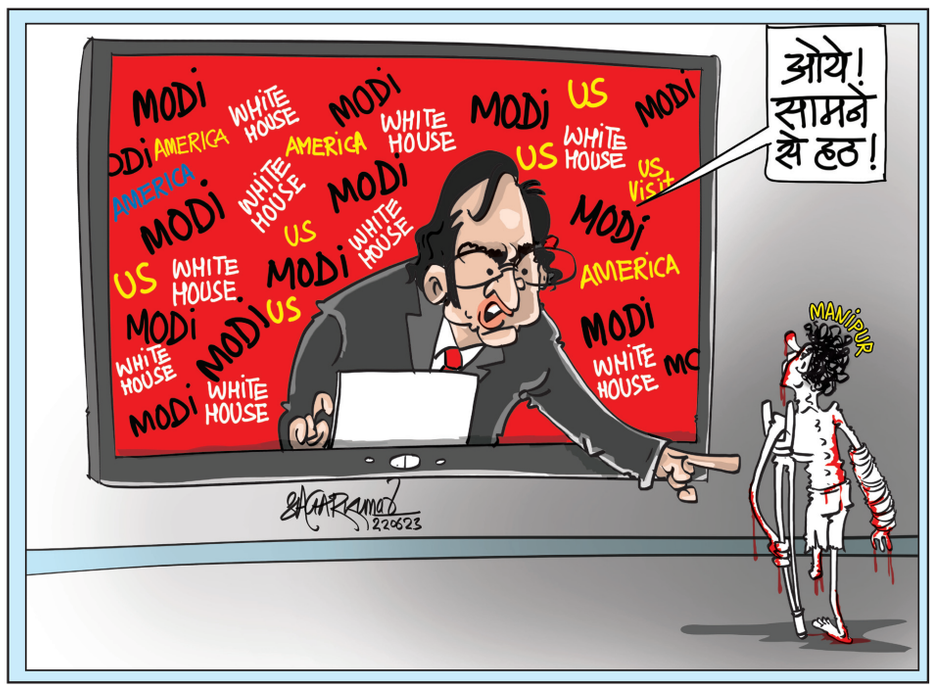


# अमित शाह की पद्मश्री गायिका उषा बारले से मुलाकात

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ दौरे पर गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पंडवानी गायिका पद्मश्री उषा बारले से मुलाकात की। दुर्ग पहुंचते ही गृहमंत्री शाह सबसे पहले पद्मश्री गायिका से मिलने उनके सेक्टर-एक स्थित आवास पर पहुंचे। वहां पर दोनों के बीच करीब 20 मिनट तक बातचीत हुई। इस दौरान माना जा रहा है कि उषा बारले को पाटन विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार बना सकती है। केंद्रीय मंत्री के साथ पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, सांसद विजय बघेल, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव भी मौजूद रहे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के महा जनसंपर्क अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के दुर्ग दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने पद्मश्री पंडवानी गायिका उषा बारले से मुलाकात की। राजनीतिक हलकों में इस बात की चर्चा है कि भाजपा उन्हें

विधानसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी बना सकती है। ऐसे में उन्हें अहिवारा या फिर पाटन से टिकट दिया जा सकता है। पाटन फिलहाल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का विधानसभा क्षेत्र है। बताया जा रहा है कि, पद्मश्री लेने के दौरान उनके बातचीत करने के तरीके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को प्रभावित किया था।

उषा बारले ने बताया कि, जब वो पद्मश्री लेने दिल्ली गई थीं तो वहां उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री के साथ खाना खाया था। उसी दौरान उन्होंने कहा कि मैं तुम्हारे घर आऊंगा। उन्होंने अपना वादा पूरा किया। उषा बारले ने कहा कि, राजनीति में आना है या नहीं, ये तो भविष्य बताएगा। फिलहाल उनकी राजनीति में जाने या चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं है।

### खराब मौसम की वजह से टला अमित शाह का बालाघाट दौरा

भोपाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का बालाघाट दौरा खराब मौसम की वजह से रद्द कर दिया गया है। गृहमंत्री शाह के हेलिकॉप्टर को बीच रास्ते से ही रायपुर लौटना पड़ा। जनसभा को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने संबोधित किया। शाह का यह दौरा महत्वपूर्ण था क्योंकि इसे मध्य प्रदेश में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए आदिवासी वोटर्स को लुभाने की भाजपा की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा था। अमित शाह को वीरांगना रानी दुर्गावती के चरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के बाद गौरव यात्रा का शुभारंभ करना था, जिसका समापन 27 जून को शहडोल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

गृहमंत्री अमित शाह के भिलाई प्रवास संबंधित समाचार पृष्ठ 6 पर

## प्रमुख समाचार

### हल्द्वानी में अल्पसंख्यकों ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

**देहरादून।** हल्द्वानी बाहरी इलाके में मुखानी क्षेत्र के कमलुवागांजा में पिछले एक सप्ताह से एक समुदाय विशेष की दुकानें जबरन बंद कराए जाने के खिलाफ अल्पसंख्यक समाज के लोगों ने बृहस्पतिवार को यहां बुद्धा पार्क में प्रदर्शन किया।इस दौरान, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधीक्षक को संबोधित एक ज्ञापन भी सौंपा जिसमें आरोप लगाया गया है कि पहले तो अल्पसंख्यकों की दुकानें जबरन बंद करा दी गईं और अब उन्हें दुकानें खाली कर गांव छोड़ने या परिणाम भुगतने की धमकी दी जा रही है जिससे अल्पसंख्यक समुदाय में दहशत का माहौल है। ज्ञापन में अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देने तथा पुलिस हिरासत में मौजूद नफीस नाम के व्यक्ति को निर्दोष बताते हुए उसे रिहा करने की मांग भी की गयी है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि जानवर के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने के आरोप में गिरफ्तार नफीस को स्थानीय लोगों ने 14 जून को पहले पीटा और उसके बाद उसके बाल काटकर उसका वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया।

### बीजापुर में नक्सलियों ने भाजपा नेता की गला रेतकर हत्या की

**जगदलपुर।** बीजापुर में माओवादियों ने बीजेपी के पंचायत प्रमुख को बुलाकर हत्या कर दी। काका अर्जुन नामक बावन वर्षीय नेता का रक्तरंजित शव बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक, माओवादियों ने हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए पोस्टर भी दिये हैं. वह पोस्टर अर्जुन के शव के पास मिला था। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में चौथे बीजेपी नेता की हत्या कर दी गई। मृतक अर्जुन बीजापुर के इल्मिडी कसारामपारा गांव का रहने वाला था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अर्जुन का घायल शव बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे कांगुपल्ली-इलमिडी रोड से बरामद किया गया। उनके पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, उन्हें कुछ लोगों ने फोन किया था। इसके बाद वह सुबह करीब 10 बजे पत्नी के साथ बाइक पर सवार होकर जंगल की ओर निकल गया। जब वे जंगल में पहुंचे तो कुछ लोगों ने पत्नी को हिरासत में ले लिया। अर्जुन को वन में ले जाया गया। काफी देर तक पत्नी के इंतजार करने के बाद भी अर्जुन नहीं लौटे। इसके बाद उसका शव मिला।

### बीजेपी विधायक विद्यारतन भसीन की हालत नाजुक

**रायपुर।** भिलाई के वैशाली नगर से बीजेपी विधायक विद्यारतन भसीन की हालत नाजुक है। डॉक्टर्स की गहन निगरानी में उनका इलाज चल

रहा है। 79 साल के विधायक लंबे समय से बीमार चल रहे हैं। रायपुर के एक निजी हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल वो वेंटीलेटर पर हैं। इसी बीच मीडिया में उनके निधन की खबर तेजी से चल रही थी। सीएम ने ट्वीट कर लिखा कि वैशालीनगर विधानसभा से भाजपा के विधायक विद्यारतन भसीन के निधन का समाचार दुखद है। हम सब उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति एवं उनके पारिवारजनों को हिम्मत दे। फिर बाद में दूसरा ट्वीट कर लिखा कि अभी पता चला है कि विद्यारतन भसीन जी की हालत काफ़ी नाजुक है। वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में इलाज जारी है। ईश्वर उनको लंबी उम्र दे।

### डीईआरसी के अध्यक्ष की नियुक्ति के खिलाफ आप

**नईदिल्ली।** बिजली मंत्री आतिशी ने गुरुवार को कहा कि आप सरकार दिल्ली विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष के रूप में इलाहाबाद उच्च

न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश उमेश कुमार की नियुक्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने 21 जून को इस पद के लिए न्यायमूर्ति संगीत लोढ़ा के नाम की सिफारिश की थी। हालाँकि, इसे दरकिनार कर दिया गया और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश उमेश कुमार को भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र द्वारा अध्यक्ष नियुक्त किया गया। आने वाले दिनों में, इस अवैध नियुक्ति के खिलाफ हम सुप्रीम जाएंगे। उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से बुधवार रात जारी एक बयान में कहा गया कि न्यायमूर्ति कुमार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने डीईआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

### बलात्कार मामले में जम्मू-कश्मीर के दो डॉक्टरों को बर्खास्त

**नईदिल्ली।** 2009 में जब शोपियां की दो महिलाएं आसिया और नीलोफर 30 मई 2009 को एक नदी में मृत पाई गईं, तो ऐसे दावे किए गए कि सुरक्षा कर्मियों ने उनके साथ बलात्कार किया और उनकी हत्या कर दी। इस खबर से भारती सेना की छवि को खराब करने का भी कश्मीर में प्रयास किया गया। अब इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। शोपियां बलात्कार मामले में सबूत गढ़ने के आरोप में जम्मू-कश्मीर के दो डॉक्टरों को बर्खास्त किया गया हैं। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पाकिस्तान स्थित समूहों के साथ कथित तौर पर सक्रिय रूप से काम करने और शोपियां बलात्कार 2009 मामले में सबूत गढ़ने के लिए गुरुवार को दो डॉक्टरों को निकाल दिया। जब शोपियां की दो महिलाएं आसिया और नीलोफर 30 मई 2009 को एक नदी में मृत पाई गईं, तो ऐसे दावे किए गए कि सुरक्षा कर्मियों ने उनके साथ बलात्कार किया और उनकी हत्या कर दी। इस मामले के चलते कश्मीर 42 दिनों तक ठप रहा था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच शुरू करने के बाद स्थिति में सुधार ही हुआ।

# अध्यादेश लगा रहा विपक्ष की एकता में सेंध! केजरीवाल की कांग्रेस को धमकी

**नईदिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आप) ने धमकी दी है कि अगर कांग्रेस केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं हुई तो वह 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में शामिल नहीं होगी। आप सूत्रों ने कहा, अगर कांग्रेस पटना में विपक्ष की बैठक में केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन का आश्वासन नहीं देती है, तो आम आदमी पार्टी बैठक से बाहर चली जाएगी।

केजरीवाल ने विपक्षी दलों को पत्र लिखकर 23 जून को पटना में गैर-भाजपा दलों की बैठक में राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश पर चर्चा करने का आग्रह किया है। उन्होंने यह भी कहा कि इसी तरह के अध्यादेश अन्य रायों के लिए भी लाए जा सकते हैं, उन्होंने कहा कि दिल्ली में अध्यादेश सिर्फ एक प्रयोग था। उन्होंने कहा, केंद्र ने यह अध्यादेश लाकर दिल्ली में एक प्रयोग किया है। अगर यह सफल रहा तो गैर-भाजपा रायों में भी इसी तरह का अध्यादेश लाएगा और समवर्ती सूची के विषयों के संबंध में रायों की शक्तियां छीन लेगा।

### कांग्रेस की समर्थन देने की संभावना

इससे पहले ऐसी खबरें थीं कि कांग्रेस राष्ट्रीय राजधानी में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली में सीएम केजरीवाल के नेतृत्व वाली क्क सरकार का समर्थन करने की संभावना नहीं है।

सूत्रों ने बताया कि दिल्ली और पंजाब के कांग्रेस नेताओं ने अलग-अलग बैठकों में पार्टी नेतृत्व से मुलाकात की और उन्हें दिल्ली सेवा

अध्यादेश मुद्दे पर आम आदमी पार्टी का समर्थन नहीं करने का सुझाव दिया। इस मामले पर राय जानने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दोनों रायों के नेताओं की बैठक बुलाई थी। बैठकों के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहे।

सूत्रों ने कहा कि अधिकांश नेताओं ने नेतृत्व से कहा कि अरविंद केजरीवाल के साथ उनका कोई रिश्ता नहीं है, उन्हें भाजपा की बी-टीम कहा और दावा किया कि उन्होंने न केवल दिल्ली और पंजाब बल्कि अन्य रायों में भी कांग्रेस के हितों को नुकसान पहुंचाया है। केजरीवाल दिल्ली सेवाओं पर केंद्र के अध्यादेश का विरोध करने के लिए समर्थन जुटाने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों, विशेषकर गैर-एनडीए सहयोगियों के प्रमुखों से मुलाकात कर रहे हैं।

### केंद्र का अध्यादेश

यह अध्यादेश 19 मई को जारी किया गया था, सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के कुछ दिनों बाद दिल्ली सरकार को अपने दायरे में आने वाले विभागों को सौंपे गए नौकरशाहों पर नियंत्रण दिया गया था। भाजपा शासित केंद्र दिल्ली में ट्रांसफर-पोस्टिंग, सतर्कता और अन्य प्रासंगिक मामलों के संबंध में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के लिए नियमों को अधिसूचित करने वाला एक अध्यादेश लाया है।अध्यादेश के मुताबिक, केंद्र ने दिल्ली में राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण का गठन किया है. इसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और दिल्ली सरकार के गृह सचिव शामिल हैं, जो अब दिल्ली सरकार में सेवारत ग्रुप ए अधिकारियों और दानिक्स अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग पर निर्णय लेंगे।

### विपक्ष का प्लान

विपक्ष ने केंद्र में भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए एक साझा उम्मीदवार खड़ा करने की योजना बनाई है, लेकिन कुछ ने इस तरह के प्रस्ताव पर आपत्ति व्यक्त की है क्योंकि कुछ दलों की अधिकतम संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ने की आकांक्षा है।

कांग्रेस भी खुद को लगभग 200 सीटों तक सीमित रखने की इच्छुक नहीं है और अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है, यह दावा करते हुए कि वह कई क्षेत्रीय संगठनों के विपरीत एक राष्ट्रीय खिलाड़ी है और पूरे देश में उसकी उपस्थिति है। इसने यह भी तर्क दिया है कि यह एकमात्र पार्टी है जो अपने राष्ट्रीय पदचिह्न के कारण सीधे भाजपा से मुकाबला कर सकती है। कर्नाटक की जीत के बाद कांग्रेस की दावेदारी को बल मिला है जहां उसने सीधे मुकाबले में बीजेपी को जोरदार शिकस्त दी है।

जनता दल (यू), राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस बिहार में गठबंधन सरकार में हैं और तीनों दल भाजपा के खिलाफ अपनी लड़ाई में अन्य विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

# योग भारतीय सभ्यता की विश्व को अद्वितीय देन है: रंजना साहू

■ स्व. पंढरी राव कृदत्त टाऊंन हाल ( इंडोर स्टेडियम ) में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर धमतरी विधानसभा स्तरीय योगा दिवस पर, भाजपा जिलाध्यक्ष व विधायक हुए शामिल

**धमतरी।** स्व.पंढरी राव कृदत्त टाऊंन हाल (इंडोर स्टेडियम) में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर धमतरी विधानसभा स्तरीय योगा दिवस मनाया गया जिसमें विधायक रंजना डीपेंद्र साहू शामिल होकर योग कर सभी को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारतीय सभ्यता की विश्व को अद्वितीय देन है,जो तन और मन दोनों को स्वस्थ रखती है, योग शरीर की शक्ति और मन की शांति को बढ़ाता हैं, योग शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य का वरदान है, इसको अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का हमें संकल्प लेना होगा, अपने दैनिक जीवन में नियमित योग की शुरुआत करते हुए स्वयं को स्वस्थ और निरोग रखें यह प्रयास हमारा होना चाहिए। योग न सिर्फ मनुष्य के मस्तिष्क और शारीरिक संरचना को संगठित करता है, बल्कि यह मनुष्य के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करता है। श्रीमती रंजना साहू ने आगे कहा कि भारत की प्राचीनतम परंपरा की पहचान योग आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अथक प्रयासों से विश्व बंधुत्व का प्रतीक बन गया है, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र संघ में इंटरनेशनल योगा डे का प्रस्ताव रखा गया, जिसको संपूर्ण विश्व ने स्वीकार कर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने संकल्पित हुए और आज एक विश्व एक स्वास्थ्य थीम पर अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनायें व दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें और स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान देने के सभी को प्रेरित करें, विधायक ने सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामनाओं के साथ 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए दी। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष ठाकुर शशी पवार ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास को अपने दैनिक जीवन में समाहित करें और आरोग्य पूर्ण जीवन की ओर अग्रणी रहे, योग हमारी पुरातन संस्कृति और सभ्यता का हिस्सा है, तन मन जीवन को स्वस्थ रखने के लिए योग को अपनाना अति आवश्यक है, क्योंकि एक कहावत है जो करते हैं योग उन्हें नहीं छूते हैं कोई रोग। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री कविंद्र जैन, शहर मंडल अध्यक्ष विजय साहू, जिला मंत्री बिथिका विश्वास, जनपद सदस्य जागेंद्र साहू, जनपद सदस्य जागेश्वरी साहू, राकेश साहू, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष चंद्रकला साहू, रेशमा शेख, दिलीप पटेल, भूपेंद्र साहू, नम्रता पवार, रितिका यादव, नीलू रजक, अमित साहू सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन एवं कराटे सीख रहे बच्चे उपस्थित रहे। योग सिखाने मुख्य रूप से कोमल सार्वा उपस्थित रहे।

## योग हमारी प्राचीन परंपरा : डीपेंद्र साहू

नेहरू युवा केंद्र धमतरी, फ्रीडम फिजिकल ट्रेनिंग अकैडमी एवं पतंजलि योगपीठ के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह पूर्वक रुद्रेश्वर महादेव घाट प्रांगण रुद्री में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीपेंद्र साहू , अध्यक्षता भोजेंद्र कुमार साहू प्रशिक्षक पतंजलि योगपीठ, विशिष्ट अतिथि भूपेंद्र दास मानिकपपुरी नेहरू युवा केंद्र के आतिथ्य में संपन्न हुआ। सभी योगासन कर रहे जनसमूह के साथ सभी अतिथियों ने योगासन किए योग करने के उपरांत डीपेंद्र साहू ने कहा कि योग हमारी प्राचीन परंपरा है, योग जोड़ने का काम करता है योग से हमारा शारीरिक एवं मानसिक विकास तो होता ही है साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार हमारे जीवन में होने लगता है और हमारा जीवन खुशियों से भरा होता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों को बधाई दिए, इस अवसर पर फ्रीडम फिजिकल ट्रेनिंग रुद्री से नीतीश भूषण सिन्हा पिता श्री भूषण राम सिन्हा ग्राम कुंडेल निवासी जिसका आई.टी.बी.पी में नौकरी लगने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं उनको सम्मानित किया, फ्रीडम फिजिकल ट्रेनिंग रुद्री के इस कार्य के लिए प्रशंसा भी किया, बेरोजगार युवाओं को आर्मी की ट्रेनिंग लगातार देते हुए लगातार देश सेवा के लिए युवाओं को धमतरी जिला से सेना मे भेज रहे हैं, यह प्रसंशनीय है। कार्यक्रम में मंच संचालन सुरेश साहू व्याख्याता ने किया। इस अवसर पर आकाश गिरी गोस्वामी, वेद कुमार सिन्हा, फ्रीडम फिजिकल ट्रेनिंग सेंटर के समस्त प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए। साथ ही अंजू लता एवं नवीन कुमार ने कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन लोकेश कुमार साहू पूर्व भारतीय सैनिक संचालक फ्रीडम फिजिकल ट्रेनिंग ने किया।

# चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने अग्निकांड के दोषियों पर कार्यवाही व प्रभावितों को उचित मुआवजा देने सौंपा ज्ञापन

**कोरबा।** जिला चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज कोरबा के महामंत्री विनोद अग्रवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमण्डल जिसमें कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश रामानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरपी तिवारी, उपाध्यक्ष विनोद सिन्हा एवं कार्यालय मंत्री सत्येन्द्र पूरी शामिल थे, श्रीमती ज्योत्सना महंत सांसद, कोरबा लोकसभा को टीपी नगर में हुए अग्निकांड के दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करने हेतु एवं प्रभावितों को उचित मुआवजा देने के सम्बंध में ज्ञापन सौंपा।

पूरे शहर के व्यावसायिक कॉम्पलेक्सों में छ गण्ग्रावि मंडल द्वारा बिजली के ट्रांसफार्मर, केबल व स्वीचबोर्ड जगह-जगह खुले पड़े हैं। व्यापारियों व मीडिया द्वारा बार-बार बिजली विभाग का ध्यान आकर्षिक करने के बावजूद बिजली विभाग द्वारा समय रहते रखरखाव व व्यवस्थित चालू लाईन पर ध्यान न देना भीषण अग्निकांड की परिणति है। इस अग्निकांड में व्यापारियों का करोड़ों की सम्पत्ति की क्षति हुई हैए इसका जिम्मेदार कौन होगा? समय पर अग्निशामक वाहन नहीं आने तथा नीचे सीढ़ी के पास स्वीचबोर्ड व केबल अव्यवस्थित ढंग से लगे होने के कारण भी अग्नि का ताण्डव देखने को मिला। इस घटना के पूर्व में भी शहर में कई जगह अव्यवस्थित बिजली लाईन रहने के कारण गायों और अन्य जीव.जंतुओं की मृत्यु हुई है। इसके बावजूद भी बिजली विभाग अपने विद्युत कनेक्शनों का सही ढंग से रखरखाव नहीं करता है।

जिला चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ने मांग की है कि लापरवाह बिजली विभाग के सम्बंधितों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाये ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्भाग्यिपूर्ण घटना न हो।

जिन व्यापारियों की दुकानें इस अग्निकांड में जल गई हैं, उन्हें 50-50 लाख की सहायता राशि आपदा प्रबंधन व मुख्यमंत्री राहत कोष से अविलम्ब दिलाई जाये ताकि व्यापारी अपना व्यापार पुन: शुरू कर सकें। साथ ही मृतकों के परिवारजनों को सहायता राशि के रूप में कम से कम 10 लाख रूपये की राशि दिलाई जाये। व्यावसायिक कॉम्पलेक्स की जली हुई दुकानों का शीघ्रातिशीघ्र नव-निर्माण कराकर व्यापारियों को तत्काल सौंपा जाये ताकि वे अपना व्यापार पूर्व की भांति सुचारू रूप से संचालित कर सकें। उक्ताशय की जानकारी चेम्बर के उपाध्यक्ष विनोद सिन्हा ने दी।

## सांसद ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना कुशलक्षेम

कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत बुधवार को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित इंदिरा कॉमर्शियल काम्पलेक्स में लगी भीषण आग से नुकसान हुए घटनास्थल पहुँचकर प्रभावित व्यवसायी प्रेम चंद जैन, भूपेंद्र सिंग गांधी, प्रकाश पाहूजा, वीरू बजाज सहित अन्य व्यवसायियों से मिलकर अग्निदुर्घटना में हुए जान और माल के नुकसान के लिए गहरा दुरूख प्रकट करते हुए कहा कि इतना वृहद आगजनी की घटना ने मन को झकझोर कर रख दिया है। नुकसान की भरपाई कर पाना बेहद मुश्किल हैं, बावजूद शासन स्तर पर हर सम्भव सहयोग के प्रयास किए जाएंगे।

घटनास्थल से मुआयना के बाद सांसद ने भीषण अग्निकांड में बुरी तरह घायल हुए प्रभावित जनों से न्यू कोरबा हॉस्पिटल, स्वेता नर्सिंग होम पहुंच कर स्वास्थ्य लाभ ले रहे मरीजों का कुशलक्षेम जाना एवं उनके बेहतर स्वास्थ लाभ की कामना की। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ.शोभराज चंदानी,डॉ् प्रिंस जैन से मुलाकात कर हर संभव सहयोग करने को कहा। इस अवसर पर महापौर राजकिशोर प्रसाद, श्रीमती उषा तिवारी, किरण चौरसिया, रूपा मिश्रा, अभिषेक बाजपेयी, लालबाबू ठाकुर के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

# बीएससी नर्सिंग व श्रम विभाग की भर्ती परीक्षा के लिए उड़नदस्ता नियुक्त

**कोरबा।** छतीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा बीएससी नर्सिंग एवं श्रम विभाग के अंतर्गत सहायक श्रम पदाधिकारी, श्रम निरीक्षक, श्रम उप निरीक्षक की भर्ती परीक्षा 24 जून 2022 दिन शनिवार को दो पालियों में आयोजित की गई है। प्रथम पाली में बीएससी की परीक्षा पूर्वान्ह 10 बजे से 12.15 बजे तक और द्वितीय पाली में श्रम विभाग की परीक्षा अपरान्ह 2 बजे से 5.15 बजे तक आयोजित किया गया है। जिले में बीएससी परीक्षा के लिए 08 एवं श्रम विभाग परीक्षा के लिए 43 केन्द्र बनाया गया है। बीएससी की परीक्षा में कुल 2733 परीक्षार्थी शामिल होंगें। इसी प्रकार श्रम विभाग परीक्षा में कुल 13759 परीक्षार्थी शामिल होंगें।

परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु शासकीय ईव्हीपीजी महाविद्यालय रजगामार रोड कोरबा को मार्गदर्शन केंद्र बनाया गया है, जिसका दूरभाष क्रमांक 07759-221458 है। परीक्षा के सुचारू संचालन एवं केन्द्र में व्यवस्था बनाए रखने व अनुचित साधनों के रोकथाम तथा निरीक्षण हेतु उड़नदस्ता नियुक्त किया गया है। जिसके अंतर्गत प्रथम पाली में 08 परीक्षा केंद्र 2201 से 2208 तक के लिए कृषि विस्तार अधिकारी श्री पी.एल.मिरेंद्र, श्री रेशम प्रकाश दुबे, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाल्को, एवं सुनीता श्रीवास उप अभियंता क्रेडा को उड़नदस्ता नियुक्त किया गया है। साथ ही उपरोक्त संबंधितों को द्वितीय पाली के 10 परीक्षा केंद्र 2201 से 2210 तक के लिए भी उड़नदस्ता नियुक्त किया गया है। द्वितीय पाली में 10 परीक्षा केंद्र 2211 से 2220 तक के लिए एपीसी समग्र शिक्षा श्रीमती आमेश्वरी नायक, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल कुदरमाल श्री टी डी टोंडे एवं , व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाली श्रीमती तुलीका देवांगन को उड़नदस्ता नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार 10 परीक्षा केंद्रों 2221 से 2230 तक के लिए सहायक परियोजना अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अमिता साहू, , व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पड़निया श्री चंद्रेश दुबे एवं व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नोनबिर्रा श्री संजीव खाखा को उड़नदस्ता नियुक्त किया गया है।

13 परीक्षा केंद्रों 2231 से 2243 हेतु सहायक अभियंता पीएमजीएसवाई सुश्री यामिनी देवांगन, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुरपा श्री अरूण चौधरी एवं व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नवापारा बोतली श्री प्रकाश राठौर को उड़नदस्ता नियुक्त किया गया है। उक्त परीक्षा के लिए अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी परीक्षा दिवस को प्रात: 9 बजे से परीक्षा समाप्ति तक के लिए लगाई गई है।

# भाजपा की कटघोरा विधानसभा स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन संपन्न

**कोरबा।** देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षेत्र आयोजन आयोजित कर केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन सामान्य तक पहुंचाने का काम कर रही है । इसी कार्यक्रम के तहत कटघोरा विधानसभा के छुरी में विधानसभा स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन आयोजित किया गया।

आयोजन में उपस्थित भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह ने केंद्र शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाएं जैसे आवास योजना से तीन करोड़ गरीब परिवार को पक्का मकान, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना अंतर्गत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, नल जल योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि क्षेत्र में कार्य, स्वच्छ भारत मिशन आदि योजनाओं पर प्रकाश डाला, साथ ही करोना काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कुशल नेतृत्व क्षमता का दुनिया का सबसे बड़े वैक्सीनेशन अभियान के तहत 220 करोड़ से अधिक कोविड वैक्सीन डोज दिए।

भारतीय जनता पार्टी कोरबा जिले के सह प्रभारी श्री गोपाल साहू ने कहा कि मोदी ने देश को हर दृष्टि से मजबूत बनाया है और आज यही कारण है की मोदी जी के कुशल नेतृत्व क्षमता का लोहा पूरी दुनिया मानती है । वही कोरबा लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी ज्योति नंद दुबे ने वर्तमान प्रदेश सरकार को भ्रष्ट बताते हुए कहा ही प्रदेश की भूपेश सरकार घोटाले बाज सरकार है लगातार प्रदेश में शराब घोटाला, कोयला सीमेंट घोटाला, चावल घोटाला, गोठान घोटाला, डी एम एफ घोटाला, पीएससी घोटाला के रूप में प्रदेश को लूट रही है । भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री श्री संतोष देवांगन ने कहा की शराब बंदी, युवा बेरोजगारी को नौकरी या भत्ता, किसानों को बोनस ना दे कर झूठा वादा करके प्रदेश की जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने का काम भूपेश सरकार ने किया है । आयोजन के बाद लाभार्थियों को सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला संगठन सह प्रभारी गोपाल साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, कोरबा लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी ज्योतिनंद दुबे, भाजपा जिला महामंत्री संतोष देवांगन, धन्नू दुबे मंडल अध्यक्ष कटघोरा, हरीश थारवानी मंडल अध्यक्ष हरदीबाजार, लक्ष्मीकांत जगत मंडल अध्यक्ष बांकी मोंगरा, विकास झा प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजयुमो, प्रेमचंद पटेल जिला पंचायत सदस्य, राम प्रसाद कोर्राम जिलाध्यक्ष अजजा मोर्चा, गोविंद सिंह कंवर जनपद उपाध्यक्ष, अजय दुबे, सतविंदर पाल सिंह बग्गा, लक्की नंदा, अजय चंद्रा, हीरा नंद पंजवानी, देवेंद्र देवांगन, राजेंद्र टंडन, बी एस कंवर, मन्नू नायडू, राजू प्रजापति, मीना शर्मा, सतीश झा, मुरली साहू, गौरी शंकर देवांगन, रमेश श्रीवास, जगराम देवांगन, पवन जयसवाल, श्यामी साहू, गंगा राम साहू, उमेंदा देवांगन आदि शामिल हुए।

## छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

### न्याय पाने ग्रामीण करेगा आमरण अनशन

**कोरबा।** करतला तहसील के ग्राम बरपाली में निवासरत रामदास वैष्णव प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारियों के क्रियाकलाप से क्षुब्ध हो चुका है। बार-बार शिकायत के बाद भी न्याय नहीं मिलने से परेशान ग्रामीण ने अब एक जुलाई से कलेक्टोरेट के सामने आमरण अनशन की चेतावनी दी है। इस संबंध में पीड़ित रामदास ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम कलेक्टोरेट, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, निगम आयुक्त, एसडीएम सहित राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग से शिकायत की है। शिकायत में कहा गया है कि वह ग्राम बरपाली पटवारी हल्का नंबर 6 का निवासी है। उसके हक की भूमि खसरा नंबर 144/32 और 694/2 कुल रकबा 0.083 एकड़ को अन्य लोगों ने हड़प लिया है, जिसे वापस पाने वह अधिकारियों से गुहार लगा.लगाकर थक चुका है। 2016 से प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारियों से गुहार लगा रहा है। इसके बाद भी अधिकारी भूमि पर उसका अधिकार नहीं दिला पाए। उसने आरोप लगाया है कि उल्टे जमीन हड़पने वाले लोगों की सहायता अधिकारियों द्वारा की जा रही है।

### पशु चारा गोदाम में लगी आग, लाखों का समान खाक

**सूरजपुर।** छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले से बड़ी खबर सामने आई है. जहां पशु चारा गोदाम में भीषण आग लग गई है. बताया जा रहा है कि, शार्ट सर्किट होने से आग लगी है. वही रखा लाखों का पशु चारा जलकर खाक हो गया। आग की सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची। जहां करंट की चपेट आने से एक दमकल कर्मी बुरी तरह घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, सूरजपुर जिले के ऊंचडीह के डुमरिया स्थित पशु चारा भूसा गोदाम में भीषण लग गई। जिसकी सूचना मिलते ही कई दमकल की टीम वहां मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। बताया जा रहा है कि आग शार्ट सर्किट की वजह से लगी। आग बुझाने के कार्य के दौरान दमकल कर्मी उज्जैन सिंह बुरी करंट की चपेट में आ गया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। जिसके बाद उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज जारी है।

### 9वीं-12वीं के बच्चों का छात्रवृत्ति के संबंध में निर्देश जारी

**कोरबा।** जिले में कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों की केन्द्रीय छात्रवृत्ति के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं के बच्चों को केंद्रीय छात्रवृत्ति का लाभ लेने हेतु प्रत्येक विद्यार्थी का बैंक खाता आधार से लिंक होना आवश्यक है। साथ ही विद्यार्थियों के पास ऑनलाईन बना हुआ आय, मूल निवासी व जाति प्रमाण-पत्र आवश्यक है। इसी प्रकार दिव्यांग विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के साथ ही अतिरिक्त राशि भी देय है। इस संबंध में शासन द्वारा जारी विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र उक्त योजनाओं के लाभ लेने हेतु अनिवार्य है। जारी विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र का ऑनलाइन सत्यापन किया जा सकता है। प्रमुख सचिव छ.ग. शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिले में आधार से लिंक विद्यार्थियों का स्वयं के बैंक खाता तथा ऑनलाईन आय, मूल निवास व स्थायी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर चिप्स के सर्वर पर अपलोड का कार्य 15 जुलाई तक पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

### 5 वीं बटालियन में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

**जगदलपुर।** कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कंगोली स्थित 5 वीं बटालियन में बुधवार को निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जॉच शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन द्वारा शिविर विशेष तौर पर पुलिस के जवानों और उनके परिवारों को डेंगू से बचाव ,जांच एवं रोकथाम के लिए आयोजन किया गया है।इस शिविर में डेंगू, मलेरिया, के साथ-साथ अन्य बीमारियों से बचाव के उपाय के बारे में जवानों को जानकारी देने के साथ-साथ डेंगू व मलेरिया की जांच की गई। शिविर में 106 लोगों ने लाभ लिया, इसमें से 55 लोगों की मलेरिया और डेंगू की जांच की गई,सभी नकारात्मक पाए गए। 95 लोगों का बी.पी. और शुगर की जांच की गई, 33 लोगों का हीमोग्लोबिन टेस्ट किया गया 10 मरीज सामान्य सर्दी खांसी के पाए गए सभी का लक्षणों के आधार पर उपचार किया गया। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की एम.एम.यू. की टी, डॉ. वीरेंद्र ठाकुर सहित स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित थे।

### पर्यटन को बढ़ावा देने देखो बस्तर सीजन-2 बस्तर ऑन बाइक का हुआ आयोजन

**कांकेर।** छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा संभाग प्राकृतिक सौंदर्य और संपदा से भरपूर है। छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहरों को विश्व स्तर पर पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने विशेष प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में बस्तर के पर्यटन को बढ़ावा देने छत्तीसगढ़ एवं सीमावर्ती राज्यों से 60 राइडर्स का मोटर बाइक सर्किट तैयार कर देखो बस्तर सीजन 2-बस्तर ऑन बाइक आयोजन 18 और 19 जून को किया गया। यह आयोजन कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान द्वारा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल, जिला प्रशासन बस्तर एवं स्थानीय सहयोगी संस्थाओं के मदद से किया गया। समापन कार्यक्रम में सांसद बस्तर श्री दीपक बैज शामिल हुए। उन्होंने बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता एवं सांस्कृतिक विरासत को अतुलनीय बताते हुए राइडर्स को बस्तर को विश्व पटल तक पहुंचाने की अपील की।

# बिजली की समस्या सुन सांसद ने तुरंत कराई बिजली विभाग के साथ व्यापारियों की बैठक

**कोरबा।** कोरबा दौरे पर पहुंचीं सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत से चेम्बर ऑफ कामर्स सहित इंदिरा कामर्शियल काम्पलेक्स के व्यापारियों ने बिजली विभाग से संबंधित अनेक समस्याओं से अवगत कराया जिस पर सांसद ने तत्काल सांसद निवास में विद्युत वितरण विभाग के अधीक्षण यंत्री श्री सिदार, कार्यपालन यंत्री अनुपम सरकार, सब इंजीनियर श्री सिन्हा के साथ व्यापारियों की बैठक आहूत कर बिजली विभाग से संबंधित समस्याओं के निराकरण पर चर्चा की।

बैठक में उपस्थित महापौर राजकिशोर प्रसाद, श्रीमती उषा तिवारी, श्रीमती सपना चौहान, एल्डरमैन आरिफ खान, किरण चौरसिया सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने निगम क्षेत्र के विभिन्न जोन में बिजली विभाग के खुले तारों सहित लोड सेडिंग की समस्या से अवगत कराया। इसके अलावा इंदिरा कमर्शियल काम्पलेक्स के व्यवसायियों ने सोमवार को शार्ट-सर्किट से हुए आगजनी के बाद दर्जन भर दुकानों के जल कर खाक होने का मुद्दा उठाया और घटना के कारण और पुनरावृत्ति न हो इस पर बिन्दूवार चर्चा की। व्यापारियों ने शहर सहित झुग्गी-झोपड़ी में अव्यवस्थित तारों को व्यवस्थित करने की मांग दोहराई। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि व्यावसायिक केन्द्रों में ओपन ट्रांसफार्मर बैठाने के लिए कोई भी दुकानदार तैयार नहीं होते हैं जबकि अंडर ग्राउंड इलेक्ट्रीफिकेशन लोड ले पाने में सक्षम नहीं होता है और भी अनेक बिन्दुओं पर चर्चा की गई। सांसद ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से अपेक्षा जताई है कि वे व्यवसायियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों खासकर पार्षदों के साथ समन्वय बनाकर बिजली विभाग के प्रति नाराजगी और समस्या को दूर करने का प्रयास करें साथ ही बिजली गुल और लोड सेडिंग की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर पर किए जा रहे कॉल को संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने की शिकायत को दूर करने की दिशा में विद्युत विभाग में एक और अतिरिक्त टोल फ्री नंबर जारी करने की जानकारी दी। सांसद के साथ हुए बैठक में बड़ी संख्या में व्यापारियों के अलाव स्थानीयजन उपस्थित थे।

# कार्य में लापरवाही बरतने वाले ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी निलंबित

**बालोद-रायपुर।** गोधन न्याय योजना के कार्य में लापरवाही बरतने वाले ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के साथ ही एक नोडल अधिकारी को जिला पंचायत की सीईओ ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्तव ने जिले के बालोद विकासखण्ड के बरही क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं बरही तथा सांकरा गौठान के नोडल अधिकारी हर्ष कुमार सोनकर को राज्य शासन की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना के कार्य में लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार डॉ. श्रीवास्तव ने ग्राम पंचायत बरही के आश्रित ग्राम काण्डे के पशुपालकों का गोधन न्याय योजना में पंजीयन एवं गोबर खरीदी नहीं होने तथा 19 जून को 05 पशुपालकों का पंजीयन कर गोबर खरीदी किए बिना 70 किलोग्राम गोबर खरीदी की एंट्री ऑनलाईन पोर्टल में की गई है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा द्वारा सांकरा के गौठान के निरीक्षण के दौरान गोबर विक्रेता श्रीमती रेणु तारम का 60 क्विंटल गोबर बिक्री की राशि अप्राप्त पाया गया, जो कि अपने कार्य के प्रति गंभीर लापरवाही है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. श्रीवास्तव ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सोनकर को अपने कर्त्तव्यों के प्रति रूचि नहीं लेने तथा घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 एवं छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के प्रावधान अनुसार उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी एवं निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी कृषि बालोद निर्धारित किया गया है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## मणिपुर हिंसा: शाह ने 24 जून को बुलाई सभी दलों की बैठक

**नईदिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में जातीय हिंसा पर चर्चा के लिए 24 जून को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक दिल्ली में दोपहर 3 बजे होगी। मणिपुर में 3 मई से मेइतेई और कुकी के बीच जातीय संघर्ष हुआ है, जिसमें 100 से अधिक लोग मारे गए हैं, 300 से अधिक घायल हुए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। बहुसंख्यक मेइती लोगों को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने की मांग का विरोध करने के लिए हजारों लोगों ने एक विरोध मार्च में भाग लिया जिसके बाद हिंसा भड़क उठी। 21 जून को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ बैठक के तुरंत बाद शाह ने सर्वदलीय बैठक की घोषणा की। इस महीने की शुरुआत में शाह की मणिपुर यात्रा के बाद, सरम को कुकी और मेइतेई के बीच बातचीत सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था। कई विपक्षी दलों ने मणिपुर में हिंसा को समाप्त करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने के लिए केंद्र और राज्य में भाजपा सरकारों की आलोचना की है।

## प्रधानमंत्री के लिए मणिपुर पर बुलाई गई बैठक महत्वपूर्ण नहीं

**नईदिल्ली।** मणिपुर में स्थिति पर चर्चा के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से कुछ दिन पहले, जो 3 मई से जातीय संघर्षों से प्रभावित है, जिसमें 110 से अधिक लोगों की जान चली गई है, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बैठक बुलाने पर केंद्र की आलोचना की। ऐसे समय में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दौरे पर हैं। राहुल गांधी ने ट्विट करते हुए कहा कि 50 दिनों से जल रहा है मणिपुर, मगर प्रधानमंत्री मौन रहे। सर्वदलीय बैठक तब बुलाई जब प्रधानमंत्री खुद देश में नहीं हैं! साफ है, प्रधानमंत्री के लिए ये बैठक महत्वपूर्ण नहीं है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया है और यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा था कि हिंसा ने राज्य में गहरा घाव छोड़ा है। संयोग से, नियोजित बैठक से एक दिन पहले, 23 जून को, विपक्षी दलों के नेताओं के 2024 में भाजपा का मुकाबला करने के लिए पटना में इकट्ठा होने की उम्मीद है।

## झारखंड में जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर कसा तंज

**गिरिडीह।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को झारखंड के गिरिडीह में कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला है। राज्य में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पार्टी आलोचना करते हुए कहा, पूरी दुनिया पीएम मोदी की तारीफ करती है लेकिन कांग्रेस उन्हें सांप, अनपढ़, चायवाला कहती है। उन्होंने कहा कि आज अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में आर्थिक मंदी है लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती से खड़ी है। जेपी नड्डा ने कांग्रेस के दिए बयानों को दोहराते हुए कहा कि कांग्रेस को पता नहीं है कि वह जितना प्रधानमंत्री के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करेगी उतनी ही पीएम मोदी की छवि देश और दुनिया में उभर रही है। जेपी नड्डा ने कहा कि दुख के साथ कहना पड़ता है कि हमारे कांग्रेस भाईयों को नरेंद्र मोदी की प्रशंसा, देश की प्रशंसा भाती नहीं है। नरेंद्र मोदी ने देश की तस्वीर बदल दी है।

## अगले 5 साल तक सीएम रहने की शर्त के साथ भाजपा संग गठबंधन करना चाहते थे ठाकरे

**मुंबई।** महाराष्ट्र के मंत्री दीपक केसरकर ने गुरुवार को एक सियासी गलियारों का एक बड़ा चौंका देने वाला दावा किया है। राज्य सरकार के मिनिस्टर ने यह कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे फिर से बीजेपी के साथ गठबंधन बनाना चाहते थे, लेकिन उनकी शर्त यह कि वह अगले पांच साल तक सीएम रहेंगे। केसरकर ने राजनीतिक कारणों से ठाकरे और उनके परिवार की सुरक्षा में कटौती के बारे में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के दावों का जवाब देते हुए कहा कि इसे कम नहीं किया गया है और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना नेताओं को इस बारे में झूठ बोलना बंद करना चाहिए। केसरकर ने कहा, उद्धव ठाकरे और उनके परिवार की सुरक्षा कम नहीं की गई है। इस पर राज्य के गृह विभाग ने सफाई दी है। संजय राउत और आदित्य ठाकरे को इस बारे में झूठ नहीं बोलना चाहिए। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आदित्य ठाकरे समेत शिवसेना नेताओं को झूठ नहीं बोलना चाहिए।

## अजित पवार ने की नेता प्रतिपक्ष पद से हटाने की मांग

**मुंबई।** एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने बुधवार को पार्टी नेतृत्व से अपील की थी कि उन्हें महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी से मुक्त कर दें और पार्टी संगठन में कोई भूमिका सौंपें। एनसीपी के 24वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में पवार ने यह मांग रखी है। उनकी इस मांग पर कई सवाल उठने शुरू हो गए। इस पर, राकांपा की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा कि वह बहन के तौर पर चाहती हैं कि उनके भाई की सभी इच्छाएं पूरी हों। दरअसल, हाल ही में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल को नया कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। इस बदलाव से अजित पवार की नाराजगी के कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि, अजीत और सुप्रिया ने इन सभी खबरों को खारिज कर दिया था। लेकिन, एक बार फिर महाराष्ट्र की राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई हैं। अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या अजीत पवार ने पार्टी में कोई पद दिया जाए कहकर प्रदेश अध्यक्ष पद का दावा किया है? सुप्रिया सुले ने पत्रकारों से कहा कि मैं भी चाहती हूं कि अजीत दादा की इच्छाएं पूरी हों।

### भाजपा के विजय रथ को आगामी लोकसभा चुनाव में रोकने के लिए विपक्षी दलों की बैठक आज

# विपक्षी दलों की बैठक लोकसभा चुनाव से पहले 'अच्छी शुरुआत': टीएमसी

**कोलकाता।** तृणमूल कांग्रेस का मानना है कि बिहार के पटना में शुक्रवार को आयोजित होने जा रही विपक्षी दलों की बैठक 2024 के आम चुनाव से पहले ''एक अच्छी शुरुआत'' है। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर ''अलोकतांत्रिक एवं तानाशाही नीतियों'' का आरोप लगाते हुए इनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विरोधी दलों के एकजुट होने के महत्व पर जोर दिया। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) (जद-यू) नेता नीतीश कुमार द्वारा बुलाई गई बैठक में राहुल गांधी, ममता बनर्जी, एम के स्टालिन, शरद पवार, महबूबा मुफ्ती और हेमंत सोरेन एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है। जद-यू ने पिछले साल भाजपा का साथ छोड़ दिया था।

विपक्षी दलों की बैठक के लिए ममता बनर्जी के साथ तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी भी होंगे। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, ''पटना पहुंचने से पहले ही एक अच्छी शुरुआत... देश के संविधान को बचाने के लिए काम कर रहे सभी दल कई मुद्दों पर एकमत हैं। अभी के लिए, हमारे पास एक तारीख, एक स्थान और एक समझौता है कि बैठक में हर पार्टी के प्रमुख रहेंगे।'' तृणमूल कांग्रेस नेता ने कहा, ''इसके बाद अगली बैठक की तारीख और स्थान पटना में तय किया जाएगा। इसके अलावा, यही सलाह है कि कोई भी बैठक को लेकर अटकल न लगाए।''

पटना में विपक्षी नेताओं की बैठक आयोजित करने का विचार बनर्जी द्वारा रखा गया था, जिन्होंने अप्रैल में कोलकाता में नीतीश कुमार से मुलाकात के दौरान जयप्रकाश नारायण को याद करते हुए उनका जिक्र किया था। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर रॉय ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि लक्ष्य यह होना चाहिए कि विपक्षी एकता जल्द से जल्द आकार ले क्योंकि 2024 के आम चुनाव में एक साल से भी कम समय बचा है। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने देश के लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है और संविधान को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। अगर भाजपा की

विरोधी और उसके खिलाफ संघर्ष कर रहीं पार्टियां एकजुट होकर लड़ने में विफल रहती हैं, तो यह देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण होगा।' रॉय ने कहा कि विपक्षी एकता को एकजुट करने के प्रयास पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्षी उम्मीदवार के चयन के दौरान ही शुरू हो गए थे। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी दलों के मोर्चे के नेतृत्व का मुद्दा इसमें बाधा पहुंचाएगा, इस पर रॉय ने कहा, ''सिर्फ मीडिया और भाजपा को इसके बारे में चिंता है। न तो विपक्षी दल और न ही इस देश के लोग इस तरह के नेतृत्व के मुद्दे को लेकर चिंतित हैं।'' नाम नहीं जाहिर करने का अनुरोध करते हुए एक अन्य तृणमूल नेता ने कहा कि बैठक में मणिपुर में जारी संकट पर भी चर्चा होगी, जहां जातीय हिंसा में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई है। इस महीने की शुरुआत में कर्नाटक चुनावों में कांग्रेस की भारी जीत के बाद तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि उनकी पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों में वहां कांग्रेस का समर्थन करेगी, जहां वह मजबूत है। जद-यू के नेता कुमार पिछले साल अगस्त में भाजपा से नाता तोड़ने के बाद से ही ''विपक्षी एकता'' पर जोर दे रहे हैं। भाजपा ने प्रस्तावित विपक्षी बैठक को ''निरर्थक कवायद'' करार दिया और कहा कि इस तरह के ''अवसरवादी गठबंधन से कोई नतीजा नहीं निकलेगा''। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, ''ये निरर्थक हैं। हमने 2014 और 2019 में ऐसे प्रयास देखे और परिणाम हमारे सामने हैं। इस देश के लोग भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा करते हैं। वे कभी भी अस्थिर और अवसरवादी गठबंधन को वोट नहीं देंगे।

## अध्यादेश लगा रहा विपक्ष की एकता में सेंध

**नईदिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आप) ने धमकी दी है कि अगर कांग्रेस केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं हुई तो वह 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में शामिल नहीं होगी। आप सूत्रों ने कहा, अगर कांग्रेस पटना में विपक्ष की बैठक में केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन का आश्वासन नहीं देती है, तो आम आदमी पार्टी बैठक से बाहर चली जाएगी। इससे पहले ऐसी खबरें थीं कि कांग्रेस राष्ट्रीय राजधानी में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली में सीएम केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप सरकार का समर्थन करने की संभावना नहीं है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली और पंजाब के कांग्रेस नेताओं ने अलग-अलग बैठकों में पार्टी नेतृत्व से मुलाकात की और उन्हें दिल्ली सेवा अध्यादेश मुद्दे पर आम आदमी पार्टी का समर्थन नहीं करने का सुझाव दिया। इस मामले पर राय जानने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दोनों राज्यों के नेताओं की बैठक बुलाई थी। बैठकों के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहे।11

## विपक्ष को साझा न्यूनतम कार्यक्रम के साथ बढ़ना होगा

**पटना।** कांग्रेस की बिहार इकाई के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक से एक दिन पहले बृहस्पतिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष की तरफ से प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित करने का मुद्दा महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह जरूरी है कि विपक्षी पार्टियां जल्द एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम तैयार करें और इसके आधार पर आगे बढ़ें। उनका यह भी कहना था कि ''भारतीय जनता पार्टी-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ'' को सत्ता से हटाने के बाद नेतृत्व के सवाल को सामूहिक रूप से सुलझाया जा सकता है। सिंह ने एक साक्षात्कार में दावा किया कि जब विपक्षी दल एकजुट होकर अगले साल होने वाले आम चुनाव लड़ेंगे तो भारतीय जनता पार्टी 100 से भी कम सीटों पर सिमट जाएगी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष का यह बयान वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा-विरोधी मोर्चे की रूपरेखा तैयार करने के लिए विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं की शुक्रवार को होने वाली अहम बैठक से पहले आया है। अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी विपक्षी एकता का मुख्य स्तंभ है और यहां होने जा रही बैठक एवं आगे अन्य बैठकों में राजनीतिक दलों के बीच छोटे-मोटे मतभेदों को दूर कर लिया जाएगा।

## विपक्षी दलों की बैठक पर मायावती ने कसा तंज

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने विपक्षी दलों की बैठक पर तंज कसा। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ापन, अशिक्षा, जातीय द्वेष, धार्मिक उन्माद/हिंसा आदि से ग्रस्त देश में बहुजन के त्रस्त हालात से स्पष्ट है कि परमपूज्य बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के मानवतावादी समतामूलक संविधान को सही से लागू करने की क्षमता कांग्रेस, बीजेपी जैसी पार्टियों के पास नहीं बल्कि अब लोकसभा आम चुनाव के पूर्व विपक्षी पार्टियां जिन मुद्दों को मिलकर उठा रही हैं और ऐसे में श्री नीतीश कुमार द्वारा कल 23 जून की विपक्षी नेताओं की पटना बैठक दिल मिले न मिले हाथ मिलाते रहिए की कहावत को ज्यादा चरितार्थ करता है। उन्होंने आगे लिखा, वैसे अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी को ध्यान में रखकर इस प्रकार के प्रयास से पहले अगर ये पार्टियां, जनता में उनके प्रति आम विश्वास जगाने की गरज से, अपने गिरेबान में झांककर अपनी नीयत को थोड़ा पाक-साफ कर लेतीं तो बेहतर होता। मुंह में राम बगल में छुरी आखिर कब तक चलेगा?मायावती ने ट्वीट कर लिखा, यूपी में लोकसभा की 80 सीट चुनावी सफलता की कुंजी कहलाती है।

## सुशील मोदी ने लालू यादव की सियासी ताकत पर उठाए सवाल

**पटना।** पटना में 23 जून को विपक्षी दलों की बड़ी बैठक होने जा रही है। भाजपा के विजय रथ को आगामी लोकसभा चुनाव में रोकने के उद्देश्य से 18 विपक्षी दलों के शीर्ष नेता इस बैठक में शामिल होंगे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर सभी दिग्गज एकजुट होकर बैठक कर रहे हैं। वहीं इस बैठक को लेकर भाजपा लगातार विपक्ष पर हमलावर है। पूर्व उपमुख्यमंत्री सह भाजपा सांसद सुशील मोदी ने राजद के ऊपर हमला बोला है। लालू यादव के ऊपर सुशील मोदी ने फिर एकबार तंज कसा है।

### राजद के ललकार पर दिए जवाब

23 जून को होने वाली विपक्षी दलों की बैठक को लेकर भाजपा सांसद सुशील कुमार मोदी ने राजद को निशाने पर लिया। सुशील मोदी ने राजद सुप्रीमो लालू यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए नहीं बल्कि परिवार को बचाने के लिए ये जुटान हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में जिस पार्टी का एक भी सीट नहीं है, वह पार्टी 303 सीटों वाली पार्टी (भाजपा) को चुनौती दे रहा है। सुशील मोदी बोले कि बिहार 40 में से 40 लोकसभा सीट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही देगा।

सुशील मोदी ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में राजद को एक भी सीट नहीं मिल सका। उसके बाद भी वो उस नरेंद्र मोदी

को चुनौती उसे दे रहे हैं जिसे 40 में 39 सीटें जनता ने दी। तो चुनौती देनें में भला क्या जाता है। सुशील मोदी ने लालू यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि अब वो दौर चला गया। कभी बिहार में लालू यादव 150 सीट जीते और बाद में फिर घटकर 22 पर आ गए थे। लालू यादव में अब कैंपेन करने और वोट ट्रांसफर कराने की ताकत नहीं बची है। नीतीश कुमार को भी सुशील मोदी ने निशाने पर लिया और सीटों की गिनती बताई।

### विपक्षी दलों की बैठक की बताई वजह

सुशील मोदी ने विपक्षी दलों की बैठक को लेकर कहा कि इन लोगों पर भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं। इन्हें डर है कि अगर अगली बार नरेंद्र मोदी आ गया तो बचेंगे नहीं। इसी डर से अब ये लोग एकजुट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार आजतक किसी को एकजुट नहीं रख सके। अब उपेंद्र कुशवाहा, जीतन राम मांझी और आरसीपी सिंह भी हमारे साथ आ गए हैं। महागठबंधन में कोई नए नेता आजतक नहीं शामिल हुए।

खेल
प्रमुख समाचार

## सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप में भारत ने पाकिस्तान को हराया

**बेंगलुरु।** सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप 2023 की शुरुआत भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले के साथ हो गई है। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को चारों खाने चित्त कर दिया। भारत ने 4-0 से पाकिस्तान को मात दी। इस मुकाबले में भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने शानदार हैट्रिक जड़कर इतिहास रच दिया है। इस मुकाबले में सुनील छेत्री ने तीन में से दो गोल पेनल्टी शूटआउट से किए।

सुनील छेत्री ने पहला गोल पाकिस्तानी गोल की गलती के कारण किया। इसके बाद दो गोल उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किए। भारतीय टीम के लिए पूरा स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था, जिससे भारतीय टीम की जबरदस्त हौंसलाअफजाई हुई। भारतीय दर्शकों ने टीम को जिस तरह सपोर्ट किया उसका पूरा असर भारतीय टीम के खिलाड़ियों पर भी देखने को मिला। उससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ दिखा। वहीं जब भारतीय टीम ने जीत हासिल की तो पूरा स्टेडियम भी टीम के साथ खुशी से झूम उठा। सुनील छेत्री ने जिस तरह से टीम के लिए गोल किए और टीम को जीत दिलाई उसके बाद सोशल मीडिया पर जमकर कई तरह के मीम्स वायरल हो रहे है। सोशल मीडिया पर ढ़ेरों मीम्स की बाढ़ आ गई है जिसमें भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री की जमकर तारीफ की जा रही है। कई फैंस ने कहा कि सुनील चेत्री भी पाकिस्तान के बाप है। एक अन्य ट्वीटर यूजर ने लिखा कि पाकिस्तान ने आधिकारिकत तौर पर विराट कोहली और सुनील छेत्री को अपना बाप घोषित कर दिया है। भारत ने मैच की शुरूआत से ही अपना फॉर्म और अनुभव दिखाना शुरू कर दिया था। वर्षा से प्रभावित मैच में पाकिस्तानी टीम भारत के सामने कहीं ठहर ही नहीं रही थी। छेत्री ने रविवार को भुवनेश्वर में लेबनान के खिलाफ इंटर कांटिनेंटल कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन के बाद अपने घरेलू मैदान पर भी बेहतरीन खेल दिखाया।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## निवेशकों की मुनाफावसूली से गिरावट में बंद हुआ शेयर बाजार

**नईदिल्ली।** फाइनेंशियल, आईटी और ऑयल शेयरों में मुनाफावसूली के चलते गुरुवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी रिकॉर्ड स्तर से उतरने के साथ गिरावट में बंद हुए। अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में नेगेटिव रुख का भी बाजार की धारणा पर असर पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 284.26 अंक या 0.45 प्रतिशत गिरकर 63,238.89 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में बीएसई बेंचमार्क 63,601.71 के रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया था। हालांकि, सेंसेक्स को उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा और कारोबार के दौरान 322.52 अंक या 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63,200.63 पर आ गया। इसी तरह, एनएसई निफ्टी-50 भी 85.60 अंक फिसलकर 18,771.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, इंफोसिस, नेस्ले आदि के शेयरों में गिरावट आई।

## फिच ने 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 6.3 प्रतिशत किया

**नईदिल्ली।** भारतीय इकॉनमी के लिए ग्रोथ के लिहाज से अच्छी खबर आई है। रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था के जीडीपी वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने इससे पहले अनुमान जताया था कि भारतीय इकॉनमी फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में 6.0 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। फिच ने चालू वित्त वर्ष वर्ष की पहली तिमाही में मजबूत परिणाम और शार्ट टर्म में अर्थव्यवस्था को गति मिलने के नतीजों को देखते हुए अपने अनुमान में संशोधन किया है। एजेंसी ने कहा, भारत की अर्थव्यवस्था व्यापक आधार वाली मजबूती दिखा रही है। करेंट फिनेंशियल ईयर की पहली तिमाही में जीडीपी में सालाना आधार पर 6.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

## मस्क को एक ही झटके में हुआ 10.7 अरब डॉलर का नुकसान

**न्यूयॉर्क।** दुनिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन ईलॉन मस्क को बुधवार को तगड़ा घाटा हुआ है। मस्क को एक ही झटके में 10.7 अरब डॉलर यानी करीब 8,77,97,78,00,000 रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। वहीं, एक दिन पहले (21 जून) मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से न्यूयॉर्क में मुलाकात की थी, जिसके बाद टेस्ला कंपनी के शेयरों में भारी भरकम उछाल देखने को मिला था। साथ ही और मस्क की नेटवर्थ में 9.95 अरब डॉलर का उछाल आया था। लेकिन 22 जून को टेस्ला के शेयरों में 5.46 फीसदी की गिरावट आई, जिसके बाद ईलॉन मस्क की नेटवर्थ अब घटकर 232 अरब डॉलर रह गई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स ने बुधवार को दुनिया के अमीरों की लिस्ट जारी की है, जिसमें दुनिया के टॉप 12 अमीरों की नेटवर्थ में गिरावट दर्ज हुई है। मस्क के बाद जिसको नेटवर्थ में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, उसका नाम लैरी पेज है। इनकी नेटवर्थ में 2.08 अरब डॉलर की गिरावट आई।

## पंजाब ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने 300 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन की घोषणा की

**चंडीगढ़।** पंजाब सरकार ने राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के इस्तेमाल को बढ़ावा देने और प्रदूषण में कमी लाने के लिए अगले तीन साल के दौरान 300 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन देने की घोषणा की है। पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि ये प्रोत्साहन इलेक्ट्रिक दोपहिया, ई-साइकिल, ई-रिक्शा, ई-ऑटो और बिजलीचालित हल्के वाणिज्यिक वाहनों पर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारियों को राज्य में ईवी की स्वीकार्यता को बढ़ाने के लिए एक समर्पित ईवी कोष बनाने को वित्त विभाग को पत्र लिखने का निर्देश दिया। मंत्री बुधवार को यहां इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2023 के कार्यान्वयन के लिए गठित राज्यस्तरीय ईवी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

# पीएम मोदी की यात्रा से मजबूत होगा भारत-अमेरिका का रक्षा संबंध

**लेफ्टिनेंट जनरल संजय कुलकर्णी**

भारत और अमेरिका में पिछले 20-25 सालों में नजदीकी बढ़ी है। इसके कई कारण हैं। इनमें सबसे अहम है भारत की तकनीक को आत्मसात करने की क्षमता। भारत अब ऐसी स्थिति में पहुंच चुका है जहां वह ना केवल रक्षा तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है बल्कि उत्पादन में साझेदार भी हो सकता है। ये साझेदारी बराबरी की है जिसमें भारत के निजी उद्यम और अमेरिका के हथियार उद्योग के बीच तालमेल है। इस वजह से रक्षा क्षेत्र में भारत और अमेरिका के संबंधों का भविष्य उज्ज्वल है। इस नजदीकी की सबसे बड़ी वजह चीन है और भारत और अमेरिका के रक्षा सहयोग को चीन की चुनौती के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

जैसे, अमेरिका से भारत को 31 प्रीडेटर ड्रोन मिलने की चर्चा हो रही है। इन ड्रोन्स का मकसद दुश्मन की हरकतों के ऊपर नजर रखना है। इनके मिलने से भारत के पास ऐसी क्षमता आ जायेगी जिससे हिंद महासागर के क्षेत्र से लेकर पहाड़ों, अरुणाचल प्रदेश, लगभग 3700 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा एलएसी या नियंत्रण रेखा एलओसी तक की रात-दिन निगरानी की जा सकेगी और खुफिया जानकारियां जुटायी जा सकेंगी। इनमें से आठ-आठ सेना और वायु सेना को और 15 नौसेना को मिलेंगे। ये एमक्यू- 9 प्रीडेटर ड्रोन, आर्म्ड ड्रोन हैं। यानी ये ऐसे ड्रोन्स हैं जिनमें हेलफायर मिसाइलें लगायी जा सकती हैं। इन मिसाइलों से हवा से जमीन पर हमले किये जा सकते हैं और इनका इस्तेमाल कर दुश्मन के जमावड़े को बरबाद किया जा सकता है। इनसे पानी के भीतर लड़ने के लिए एंटी-सबमरीन वॉरफेयर की क्षमता भी हासिल की जा सकती है और दुश्मन की पनडुब्बियों को

नष्ट किया जा सकता है।

चीन का सामना करने के लिए ऐसी क्षमता का होना बहुत जरूरी है, क्योंकि चीन अब इस मुकाम पर पहुंच चुका है जहां उसके पास सब कुछ है। वह अमेरिका से टक्कर ले रहा है और उसके पास उच्च कोटि के हथियार हैं। वह एक बड़ी आर्थिक शक्ति है जिसकी जीडीपी भारत से तकरीबन पांच गुना बड़ी है। ऐसे में भारत को यदि अमेरिका से प्रीडेटर ड्रोन जैसे सैन्य साजो-सामान मिलते हैं, तो उसकी रक्षात्मक क्षमता मजबूत होगी जो बहुत जरूरी है। चीन अभी लद्दाख, तिब्बत, अरुणाचल जैसी जगहों पर सीमा के नजदीक आकर पैर जमा रहा है। उसने उन इलाकों में शिविर, सड़क, रेलमार्ग, हेलिपैड से लेकर गांव तक बसाने शुरू कर दिये हैं। ऐसे में भारत के लिए उस पर नजर रखना बहुत जरूरी है ताकि अचानक से हमला न हो जाए। अमेरिका ने 2020 के गलवान संघर्ष के बाद भारत को ऐसे दो ड्रोन लीज पर दिये थे। चीन को यह पता है कि हिंद महासागर में या हिंद-प्रशांत क्षेत्र में वह रक्षात्मक स्थिति में है। वहां अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे लोकतांत्रिक देश मजबूती से मौजूद हैं, और वे चाहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय जल सीमा में कानून का शासन हो तथा चीन वहां दखल न दे सके। दक्षिण चीन सागर में चीन यह मानकर चलता है कि वहां का 90 फीसदी हिस्सा उसका है। अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र के नियमन के लिए बनायी गयी संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय संधि के तहत यह गलत है। चीन को बार-बार यह याद दिलाना जरूरी है कि उसे यदि अन्य देशों के साथ संबंध रखना है तो उसे आपसी विश्वास बनाकर रखना होगा। प्रीडेटर ड्रोन्स जैसी क्षमताओं के रहने से चीन को काबू में रखने में मदद मिलेगी। इनके अलावा, अमेरिका से भारत को विमानों के लिए 400 जीई एफ 414 इंजन मिल रहे हैं। ये इंजन भारत में बने सिंगल इंजन लड़ाकू विमान तेजस में इस्तेमाल होते हैं। ये बहुत ही उच्चकोटि के इंजन हैं जिनमें शून्य से सुपरसोनिक गति तक जाने की काबिलियत है। इनकी ईंधन इस्तेमाल क्षमता भी बहुत अच्छी है। ऐसे 400 इंजनों के मिलने से भारतीय वायुसेना में निश्चित रूप से 42 लड़ाकू स्क्वाड्रन होने की क्षमता को हासिल किया जा सकेगा। इन इंजनों का भी सह-उत्पादन होगा जिसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ एक साझेदारी की गयी है। ऐसे समझौतों से भारत और अमेरिका के संबंध और मजबूत होंगे।

# राजनीतिक हिंसा से बंगाल को मुक्ति कब

**नीरज कुमार दुबे**

देश के तमाम राज्यों में निर्धारित समय पर विधानसभा, नगर निगम और पंचायत के चुनाव होते रहते हैं। लगभग सभी चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से होते हैं। लेकिन बात जब पश्चिम बंगाल में किसी चुनाव की आती है तो चुनाव से पहले जो हिंसा शुरू होती है वह चुनाव खत्म होने के बाद भी जारी रहती है। सवाल उठता है कि राजनीतिक हिंसा की संस्कृति से आखिर बंगाल को कब मुक्ति मिलेगी? देखा जाये तो वामपंथियों के राज में हिंसा का जो तांडव देखने को मिलता था वह आज भी बरकरार है। बंगाल में सिर्फ सत्ताधारी पार्टी बदली है, राज करने का तरीका वही पुराना वामपंथियों वाला ही चल रहा है। खास बात यह है कि वामपंथियों के जिस आतंक से बंगाल को छुटकारा दिलाने के वादे के साथ ममता बनर्जी सत्ता में आईं उस आतंक को उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने बरकरार रखा है। बल्कि कई मायनों में यह आतंक बढ़ा ही है। पश्चिम बंगाल में हिंसा, कट मनी, अराजकता, भ्रष्टाचार और परिवारवाद आदि की वजह से जनता को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस सबके बीच, इन दिनों राज्य में पंचायत चुनावों की प्रक्रिया चल रही है। इस दौरान हिंसा का जो तांडव यहां देखने को मिल रहा है उससे सवाल उठता है कि क्या राज्य में सरकार नाम की कोई चीज है भी या नहीं?

हम आपको याद दिला दें कि पश्चिम बंगाल में वर्ष 2018 में हुए पंचायत चुनावों में सरकारी आंकड़ों के अनुसार 20 से अधिक लोग मारे गए थे और सैंकड़ों घायल हुए थे। इस बार भी आठ जुलाई को प्रस्तावित पंचायत चुनावों की पृष्ठभूमि में हुए संघर्षों में कई लोगों के मारे जाने की सूचना मिली है, जिनमें से कुछ लोग नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन 15 जून को मारे गये, जिसके कारण कलकत्ता उच्च न्यायालय ने राज्य भर में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया था। लेकिन राज्य सरकार इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुँच गयी जहां उसे मुँह की खानी पड़ी। सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार की याचिका खारिज करने के साथ ही उससे साफ-साफ कह दिया कि चुनाव कराना 'हिंसा का लाइसेंस' नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ''अगर लोग जाकर अपना नामांकन पत्र दाखिल नहीं कर पा रहे हैं या जिन लोगों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है, उन्हें अंततः खत्म कर दिया गया है या समूह संघर्ष हो रहे हैं, तो फिर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कहां रहा।'' देखा जाये तो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बात तो लोकतंत्र की करती हैं लेकिन उनके अपने राज्य में लोकतंत्र का हाल यह है कि सैंकड़ों की संख्या में विपक्षी दलों के उम्मीदवारों ने पंचायत चुनावों से अपने नाम वापस ले लिये हैं क्योंकि नामांकन दाखिल करने के बाद से उन्हें धमकी मिल रही थी।

पिछले पंचायत चुनावों में भी कमोबेश ऐसे ही हाल थे जब उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने के लिए पहुँचने ही नहीं दिया जा रहा था। तब व्हाट्सएप के जरिये नामांकन दाखिल करने की भी सुविधा दी गयी थी। इस सबके बीच ममता बनर्जी पटना में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में भाग लेने जा रही हैं जहां वह %लोकतंत्र को बचाने% और %मोदी को हटाने% का अभियान चलाने के लिए एकत्रित हो रहे भाजपा विरोधी दलों की बैठक में बड़ी-बड़ी बातें भी करेंगी। हो सकता है कि इस बैठक में ममता बनर्जी प्रधानमंत्री पद की अपनी उम्मीदवारी की बात को भी आगे बढ़ाएं। लेकिन ऐसे नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि अपने लिए बड़ी भूमिका की तलाश करने से पहले उन्हें यह बताना चाहिए कि क्या वर्तमान की भूमिका के साथ वह न्याय कर पा रहे हैं या नहीं? बहरहाल, चुनाव को लोकतंत्र का उत्सव माना गया है लेकिन आज के बंगाल का सच यह है कि कोई भी चुनाव आने पर जनता के मन में अपनी सुरक्षा को लेकर डर बैठ जाता है। पश्चिम बंगाल में मां, माटी और मानुष के नाम पर सत्ता में आई तृणमूल कांग्रेस को देखना चाहिए कि कैसे चुनावी हिंसा में अपनों के मारे जाने पर माएं रो रही हैं, हिंसा के चलते बंगाल की माटी बदनाम हो रही है और आम मानुष के जीवन का कोई मोल नहीं रह गया है।

# समान नागरिक संहिता बनाने की चुनौती

**जयसिंह रावत**

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता कानून का मजमून तैयार करने के लिए गठित रंजना देसाई कमेटी का दिल्ली में 22वें विधि आयोग से मिलना ही था कि आयोग ने भी अन्य विषयों को पीछे छोड़कर तत्काल समान नागरिक संहिता पर पहल शुरू कर दी। आयोग ने फिलहाल इस विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर रायशुमारी शुरू कर दी है। इधर, विधि आयोग द्वारा आनन-फानन में समान नागरिक संहिता को लेकर आगे बढ़ने से यही संकेत मिलते हैं कि आयोग जल्दी ही इस विषय पर अपनी सकारात्मक राय दे देगा और 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ही देश में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी, चाहे उसका कानूनी या संवैधानिक नतीजा जो भी हो। दरअसल, एक बार कानून लागू होने के बाद केन्द्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार गर्व के साथ दावा कर सकेगी कि उसने कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद राम मंदिर का निर्माण भी करा दिया और तीसरा महत्वपूर्ण संकल्प समान नागरिक संहिता को भी व्यवहारिक धरातल पर उतार दिया। अगर कानून को अदालत में चुनौती दी गई तो भी उसका राजनीतिक लाभ यह कहकर उठाया जा सकता है कि हमने तो वायदा पूरा कर दिया मगर विरोधी ऐसा नहीं चाहते हैं।

## केन्द्र के लिए धामी सरकार की कसरत

मोदी सरकार के ही कार्यकाल में गठित 21वां विधि आयोग साफ कह चुका था कि समान नागरिक संहिता की न तो जरूरत है और ना ही वह वांछनीय है। इस स्पष्ट टिप्पणी के बाद भी अगर 22वां आयोग इस विषय को प्राथमिकता दे रहा है तो समझा जा सकता है कि इसमें आयोग से ज्यादा केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की रुचि है। जाहिर है मंत्रालय द्वारा एक से अधिक मौकों पर कहा भी गया था कि विधि आयोग की राय आने के बाद इस विषय पर फैसला लिया जाएगा। चूंकि भाजपा शासित उत्तराखण्ड इस मामले में काफी आगे बढ़ चुका है और भाजपा हिमाचल, गुजरात और कर्नाटक के विधानसभा चुनावों में समान नागरिक संहिता का वायदा कर चुकी है। अन्य भाजपा शासित राज्य भी इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। संविधान के नीति-निर्देशक तत्वों वाले अनुच्छेद 44 के तहत राज्य समान नागरिक संहिता बना तो सकते हैं मगर अनुच्छेद 254-ख के अनुसार बिना राष्ट्रपति की अनुमति के वह कानून लागू नहीं हो सकता। जाहिर है कि राज्यों में यह पहल बिना भाजपा शीर्ष नेतृत्व की अनुमति के नहीं हो रही है। अगर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व ही धामी सरकार से यह सब करा रहा है तो वह फालतू की कसरत नहीं करा रहा, बल्कि स्वयं कानून बनाने का रास्ता साफ कर रहा है।

धामी सरकार ने केवल माहौल बनाया

वर्ष 2019 में भाजपा के ही एक विधायक अश्वनि उपाध्याय ने दिल्ली हाइकोर्ट में समान नागरिक संहिता लागू करने संबंधी एक याचिका दायर की थी, जिस पर केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने 12 पृष्ठों का एक हलफनामा दायर कर कहा था कि विधि आयोग की रिपोर्ट मिलने पर केन्द्र सरकार द्वारा अन्य हित धारकों से बात कर कानून बनाया जा सकता है। फिर फरवरी 2022 में तत्कालीन विधि एवं न्याय मंत्री किरन रिजजू ने संसद में कहा था- संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत सम्पूर्ण भारत की टेरिटरी में यह लागू होना है, इसलिए इस पर केन्द्र सरकार या संसद का बनाया हुआ कानून ही ज्यादा व्यवहारिक हो सकता है। इन तथ्यों के आलोक में समझा जा सकता है कि इस दिशा में उत्तराखण्ड जैसे भाजपा शासित राज्यों के प्रयास या पहले महज माहौल बनाने के लिए ही हैं और इस दिशा में असली प्रयास अब 22 वें विधि आयोग की पहल के साथ शुरू हो गया है।

## रायशुमारी एक औपचारिकता

गौर करने वाली बात यह है कि 22 वां विधि आयोग समान नागरिक संहिता को लेकर जो सार्वजनिक रायशुमारी कर रहा है उसकी सीख आयोग को उत्तराखण्ड की समान नागरिक संहिता ड्राफ्ट कमेटी ने दी है। कमेटी की अध्यक्षा जस्टिस रंजना देसाई ने केन्द्रीय आयोग से मिलने के बाद दावा किया था कि समान नागरिक संहिता के पक्ष में उत्तराखण्ड का भारी बहुमत है और बहुत थोड़े लोगों ने इसका विरोध किया है।

उत्तराखण्ड में 85 प्रतिशत जनसंख्या हिन्दुओं की है जिसे समान नागरिक संहिता से कोई परेशानी इसलिए नहीं है कि उनके लिए 1955 और 56 में ही नागरिक संहिताएं बन चुकी हैं। वैसे भी कमेटी ने न्याविदों, कानूनविदों और बुद्धिजीवियों के बजाय आम जनता और खास कर एक राजनीतिक तथा धार्मिक विचारधारा के लोगों की राय एकत्र की थी। राय देने वाले अधिसंख्य लोग किसी अन्य समुदाय के लिए व्यक्तिगत मामलों में विशेषाधिकार क्यों चाहेंगे? ऐसी ही रायशुमारी राष्ट्रीय स्तर पर भी होनी है और समान नागरिक संहिता के पक्ष में उत्तराखण्ड की तरह राष्ट्रीय स्तर पर भी हिन्दुओं का भारी बहुमत आना लाजिमी है। विधि आयोग के कानों में यह मंत्र उत्तराखण्ड की कमेटी फूंक गई थी।

जनजातियों में कैसे लागू होगा कानून?

इधर, सवाल यह उठता है कि क्या इतनी विविधताओं वाले भारत देश में समान नागरिक संहिता व्यवहारिक है? अगर व्यवहारिक होती तो संविधान सभा इस मुद्दे को नीति-निर्देशक तत्वों में नहीं डालती? अगर इतना आसान होता तो धारा 370 के सफाए से पहले ही देश में यह कानून आ जाता। दरअसल, जब धारा 370 हटाई गई तो कहा गया था कि एक देश में एक जैसा ही कानून और प्रशासन होना चाहिए इसलिए अलग धारा हटा दी गई, लेकिन अनुच्छेद 371 की कई उपधाराएं आज भी मौजूद हैं और पूछ रही हैं कि एक देश एक कानून कहां है? अगर एक देश एक कानून व्यवहारिक है तो फिर नवीन पंचायती राज के लिए संविधान का 73वां और 74वां संशोधन पूर्वोत्तर राज्यों में लागू क्यों नहीं है?

## आसान नहीं एक देश एक कानून

संविधान के अनुच्छेद 25 से लेकर 28 तक भारत के नागरिकों को न केवल धार्मिक स्वतंतत्रता की अपितु, धार्मिक रीति-रिवाजों की स्वतंत्रता की गारंटी भी देते हैं। वैयक्तिक कानून भी धार्मिक रीति-रिवाजों में ही आते हैं। संविधान देश की 7 सौ से अधिक जनजातियों के प्रथागत् कानूनों को मान्यता देने के साथ ही उनके रीति-रिवाजों को मानने की गारंटी भी देता है, इसलिए अनुसूची-6 के क्षेत्रों में स्वायत्तशासी जिलों में उन जनजातीय परम्परागत पंचायतों को मान्यता दी गई है जिन्हें थोड़े न्यायिक अधिकार भी प्राप्त हैं, इसलिए वहां संविधान के 73वें और 74वें संशोधन लागू नहीं हो सके। जनजातियों में बहुपति और बहुपत्नी प्रथा अब भी चलती है।

समान नागरिक संहिता कैसे हस्तक्षेप करेगी। जनजातियों को छेड़ने का नतीजा मणिपुर में दिखाई दे रहा है। भारत में पारसियों की जनसंख्या एक लाख से भी बहुत कम है। भारत के चहुमुखी विकास में असाधारण योगदान देने वाले पारसियों की जनसंख्या एक लाख भी नहीं है। बिरादरी से बाहर शादी करने का मतलब वहां जायदाद से हाथ धोना है।

ये सख्त नागरिक कानून इसलिए है ताकि इस मानव वंश का अतित्व बना रह सके। किसी खास वर्ग या समुदाय से जोर-जबरदस्ती करके भले ही वोटों का इजाफा हो जाएगा, लेकिन जनजातियों को छेड़ोगे तो अपना अस्तित्व बचाने के लिए कई बिरसामुंडा खड़े हो सकते हैं।

**भारतीय ज्ञान परंपरा....**

# गोपालपूर्वतापिन्युपनिषद् (भाग-4)

**गतांक से आगे...**

तदनन्तर ब्रह्माजी उन मुनियों से भगवान् श्रीकृष्ण के पीठ (गोपाल- यंत्र) का वर्णन करते हुए बोले- हे मुनियो! सर्वप्रथम पीठ पर सुवर्ण से युक्त अष्टदल कमल का निर्माण करे। उसके बीच में एक-दूसरे से उल्टे दो त्रिकोण बनावे, इससे छः कोण विनिर्मित होंगे। इन कोणों के बीच में स्थित कर्णिका में आदि अक्षर स्वरूप कामबीज (क्लीं) का उल्लेख करे। यह बीजमन्त्र सभी कार्यों की सिद्धि का अमोघ माध्यम है। इसके बाद हर एक कोण में क्लीं बीज से युक्त कृष्णाय नमः मंत्र के एक-एक अक्षर को लिखे। तदनन्तर ब्रह्म-मन्त्र (अष्टादशाक्षर गोपाल-विद्या) तथा काम-गायत्री (कामदेवाय विद्महे, पुष्पबाणाय धीमहि, तन्नोऽनङ्गः प्रचोदयात्) का उल्लेख करके आठ वज्रों से आवृत भूमण्डल का निर्माण करे। फिर उपर्युक्त मन्त्र को अङ्ग वासुदेवादि, रुक्मिणी सहित स्वशक्ति तथा इन्द्र, वसुदेव, पार्थ एवं निधि सहित आठ आवरणों से संरक्षित उस पीठ यन्त्र की पूजा सम्पन्न करे। उक्त आवरणों से परिवेष्टित श्रीकृष्णचन्द्र का तीनों सन्ध्याओं के समय ध्यान करने के बाद षोडशोपचार विधि से पूजन करे। इस विधि से पूजन-प्रक्रिया सम्पन्न करने से साधक को (धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष) सभी कुछ सुलभता से प्राप्त हो जाता है। इस सन्दर्भ में ये लोक हैं-सभी को अपने वश में रखने वाले, सर्वत्र व्याप्त रहने वाले एकमात्र भगवान् श्रीकृष्ण ही सदैव स्तुति करने के योग्य हैं। वे एक रहते हुए भी अनेक रूपों में परिलक्षित होते हैं। जो ज्ञानी मनुष्य उपर्युक्त पीठ पर विद्यमान उन भगवान् श्रीकृष्ण का प्रत्येक दिन पूजन करते हैं, उन्हीं को शाश्वत आनन्दानुभूति होती है, अन्यों को नहीं। जो (श्रीकृष्ण) नित्यों में नित्य, चेतनों के भी परम चेतन हैं और जो सभी की मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं, उन श्रीकृष्ण को पूर्वोक्त पीठ में प्रतिष्ठित करके जो ज्ञानी भक्त निरन्तर पूजन करता है, उन्हें सनातन सुख मिलता है, अन्यों को नहीं जो मनुष्य उत्साहपूर्वक श्रीविष्णु (श्रीकृष्ण) के इस (अविनाशी पदस्वरूप) मंत्र की विधि-विधान से पूजा-प्रक्रिया सम्पन्न करते हैं और जो उन भगवान् के अतिरिक्त दूसरी किसी भी वस्तु की आकांक्षा नहीं करते, उन (साधकों) के लिए वे गोपालरूपधारी श्यामसुन्दर अपना स्वरूप और अपना परम शाश्वत धाम शीघ्र ही प्रयासपूर्वक दिखा देते हैं।यो ब्रह्माणं विदधाति पूर्वं यो विद्यां तस्मै गोपायति स्म कृष्णः ।

**क्रमशः**

# राष्ट्रधर्म के जुझारु कर्मयोद्धा थे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

**ललित गर्ग**

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक, राष्ट्रीयता के समर्थक और सिद्धान्तवादी थे। जब कभी भारत की एकता, अखण्डता एवं राष्ट्रीयता की बात होगी तब-तब डॉ. मुखर्जी द्वारा राष्ट्रजीवन में किये गए योगदान की चर्चा अवश्य होगी। डॉ. मुखर्जी जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। उस समय जम्मू कश्मीर का अलग झण्डा और अलग संविधान था। वहाँ का मुख्यमन्त्री (वजीरे-आजम) अर्थात् प्रधानमन्त्री कहलाता था। संसद में अपने भाषण में डॉ. मुखर्जी ने धारा-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। अगस्त 1952 में जम्मू की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त किया था कि या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊँगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये अपना जीवन बलिदान कर दूँगा। उन्होंने तात्कालीन नेहरू सरकार को चुनौती दी तथा अपने दृढ़ निश्चय पर अटल रहे। अपने संकल्प को पूरा

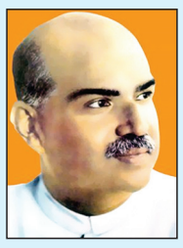

करने के लिये वे 1953 में बिना परमिट लिये जम्मू कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। वहाँ पहुँचते ही उन्हें गिरफ्तार कर नजरबन्द कर लिया गया। 23 जून 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी। डॉ. मुखर्जी निरन्तर राष्ट्र श्रद्धा के प्रतीकों का मान एवं रक्षण करते रहे। वे सदैव देशहित में स्वदेशी चेतना, स्वदेशी जीवन पद्धति, स्वदेशी वेशभूषा तथा स्वदेशी संस्कार के प्रकटीकरण पर बल दिया। वे सच्चे अर्थों में राष्ट्रधर्म का पालन करने वाले साहसी, निडर एवं जुझारु कर्मयोद्धा थे। जीवन में जब भी निर्माण की आवाज उठेगी, पौरुष की मशाल जगेगी, सत्य की आंख खुलेगी एवं अखण्ड राष्ट्रीयता की बात होगी, डॉ. मुखर्जी के अवदानों को सदा याद किया जायेगा।

डॉ. मुखर्जी का जीवन बहुत संघर्षभरा रहा, अपनी राष्ट्रवादी नीतियों के कारण उन्हें बहुत से विरोध एवं उपेक्षाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन वे अपने संकल्प पर अडिग रहे। उनके अनुसार भारत कर्मभूमि, धर्मभूमि एवं पुण्यभूमि है, यहां का जीवन विश्व के लिये आदर्श है। भारत राज्य नहीं, सर्व प्रभुता सम्पन्न राष्ट्र है। इसे राष्ट्र बनाया नहीं, अपितु यह तो सनातन राष्ट्र है। डॉ. मुखर्जी द्वारा प्रदत्त महान् विचार एवं संकल्प तेजस्वी भारत राष्ट्र की परिकल्पना की सृष्टि करता है। डॉ. मुखर्जी में राजनीतिक शक्ति ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक शक्ति भी प्रबल थी। वे निरन्तर भारत को शक्तिशाली एवं समृद्ध बनाने के लिये प्रतिबद्ध रहे। यही कारण है कि वे सावरकर के राष्ट्रवाद के प्रति आकर्षित हुए और हिन्दू महासभा में सम्मिलित हुए। मुस्लिम लीग की राजनीति से बंगाल का वातावरण दूषित हो रहा था। वहाँ साम्प्रदायिक विभाजन की नौबत आ रही थी। साम्प्रदायिक लोगों को ब्रिटिश सरकार प्रोत्साहित कर रही थी। ऐसी विषम परिस्थितियों में उन्होंने यह सुनिश्चित करने का बीड़ा उठाया कि बंगाल के हिन्दुओं की उपेक्षा न हो। अपनी विशिष्ट रणनीति से उन्होंने बंगाल के विभाजन के मुस्लिम लीग के प्रयासों को पूरी तरह से नाकाम कर दिया।

# मोदी सरकार का मूल्यांकन करती एक किताब

**गिरीश पंकज**

सक्रिय पत्रकारिता की लंबी पारी खेलने के बाद अब मीडिया-गुरु के रूप में सुपरिचित प्रो. संजय द्विवेदी समकालीन विषयों पर निरंतर लिखते रहे हैं। इनका राष्ट्रवादी टोन आकर्षित करता है। बिना किसी की परवाह किए संजय ऐसे विषय भी उठाते हैं, जिनको लेकर कुछ लोग उनकी आलोचना भी करते हैं, लेकिन ध्येयवादी इस लेखक-पत्रकार ने कभी ऐसे तत्वों की परवाह नहीं की और जो सच है और जो लिखा जाना चाहिए, उस पर बाकायदा कलम चलाई। अपनी प्रतिबद्ध वैचारिक लाइन पर चलते हुए पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक, सामाजिक और मीडिया संबंधी तीन हजार से भी अधिक लेख लिखने वाले संजय की नई पुस्तक भी कमाल की है। इस लेखक की पिछली पुस्तक %भारतबोध का नया समय% भी काफी चर्चित रही और अब यह अमृतकाल में भारत। इस पुस्तक में प्रो. संजय ने केंद्र सरकार के कुछ अभिनव कार्यों पर अपनी सकारात्मक दृष्टि डाली है। इसमें दो राय नहीं कि आजादी के अमृत महोत्सव को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार ने जनहित में कुछ उत्कृष्ट कार्य किए। कुछ अभूतपूर्व निर्णय लिए, इन सबका सारगर्भित विश्लेषण समीक्ष्य पुस्तक में मिलता है। लेखक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नये भारत के शिल्पकार और राष्ट्रनायक के रूप में अपनी पुस्तक समर्पित की है। पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए निर्णयों ने देश को वैश्विक स्तर पर भी एक विशिष्ट पहचान दी। योग दिवस और मिलेट्स वर्ष आज पूरी दुनिया मना रही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने बदलाव के नए आयाम गढ़े। स्वच्छ भारत से लेकर स्वस्थ भारत और बेटा-बेटी एक समान जैसे उदात्त-चिंतन ने बदलाव की बयार बहाई। खेलो इंडिया, हर-हर

गंगे, नमामि गंगे के साथ ही डिजिटल क्रांति के रूप में भारत को जो नई पहचान मिली, उसका लोहा अब पूरी दुनिया मान रही है। इन सभी विषयों पर प्रो. संजय ने सन्तुलित कलम चलाई है। नए संसद भवन का निर्माण भारतीय अस्मिता की नवीन पहचान से कम नहीं। संजय द्विवेदी ने इस सत्य को स्थापित किया है कि मोदी की बातों में माटी की महक है। वे संवाद कला के महारथी हैं। जनसंचार माध्यमों का रचनात्मक इस्तेमाल कोई इनसे सीखे। मन की बात के माध्यम से वे देश के करोड़ों लोगों तक पहुँचे। जिस आकाशवाणी को हमने हाशिये की चीज समझ लिया था, उसे प्रधानमंत्री ने मन की बात के माध्यम से कितना लोकप्रिय कर दिया, यह सबके सामने है। भारत की प्रगति और उस के श्रेष्ठ विकास कार्यों की गूँज विश्व स्तर पर हुई है इसलिए तो अमेरिका को भी कहना पड़ा कि दुनिया भारत का बौना होना गवारा नहीं कर सकती। आपको दिग्गज होना होगा और सही किस्म का दिग्गज होना होगा। प्रधानमंत्री ने यह करके दिखा दिया। यह पुस्तक प्रधानमंत्री के तमाम सपनों और सरकार के उत्कृष्ट कार्यों का विहंगावलोकन है।

समीक्ष्य पुस्तक में अनेक जगह आँकड़ों के माध्यम से भी देश के विकास को दर्शाया गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि अमृतकाल में आने वाले पच्चीस सालों के विराट संकल्प भी हैं। कोई भी राष्ट्र क्यों वर्तमान में नहीं जीता। वह अपने भविष्य के एजेंडे भी तय करता है । मोदी सरकार ने आने वाले पच्चीस सालों की भी चिंता की है । उस समय देश आजादी की शताब्दी मनाएगा, तब का भारत कैसा होगा, इसकी चिंता अमृतकाल में करना और उसके अनुरूप कदम उठाना बड़ी बात है। राष्ट्र सर्वोपरि और कर्मभोगी नहीं, कर्मयोगी बनें नामक अध्याय में प्रो. द्विवेदी ने प्रधानमंत्री के कर्मठ जीवन के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला है। सरकारी कर्मचारी अपनी सेवा को सिर्फ सरकारी न समझे, वरन देश की विकास यात्रा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका समझकर कार्य करें। प्रधानमंत्री यही भाव जाग्रत करना चाहते हैं। उनके विचारों को अनेक उदाहरणों के साथ लेखक ने लिपिबद्ध किया है। लोकतंत्र एवं समाज, संवाद और संचार, विकास के आयाम, विज्ञान एवं तकनीक, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, भाषा नामक विभिन्न अध्यायों में लेखक ने प्रधानमंत्री के नवाचारों और संकल्पों को सारगर्भित ढंग से प्रस्तुत किया है। लेखक ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति = बदलाव की बुनियाद में नई शिक्षा को लेकर प्रधानमंत्री ने जो कुछ सुधार किए,उसका विस्तृत विवरण दिया है। जैसे शिक्षा मंत्रालय ने दीक्षा प्लेटफार्म शुरू किया। इसका स्वयं नामक पोर्टल को तेईस करोड़ हिट्स मिले। इसी से समझा जा सकता है युवा पीढ़ी के लिए यह पोर्टल कितना उपयोगी रहा। बेटा-बेटी एक समान नामक अध्याय में लेखक ने प्रामाणिक आंकड़ों के सहारे बताया है कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान पूरे देश सफलता के साथ चल रहा है। प्रधानमंत्री ने 2015 को यह नारा हरियाणा के पानीपत शहर में दिया था, जो आज पूरे देश के कोने-कोने में पहुँच चुका है। अभियान की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि आज हमें अपने ही घर में बेटी बचाने के लिए हाथ-पैर जोड़ने पड़ रहे हैं। समझाना पड़ रहा है। उसके लिए बजट से धन खर्च करना पड़ रहा है। पुस्तक के हर अध्याय में लेखक ने पूरे मनोयोग के साथ प्रधानमंत्री के कार्यों को देखा-परखा है और अपना चिंतन भी प्रस्तुत किया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की भूमिका के कारण पुस्तक की गरिमा कुछ और बढ़ गई है। %अपनी बात% में लेखक ने गृह मंत्री अमित शाह की इन पंक्तियों को कोट किया है, जो नए भारत के स्वप्न को रेखांकित करता है कि 2014 के पहले देश के साठ करोड़ लोग सपना नहीं देख सकते थे। मोदी जी ने उनके जीवन उम्मीद जगाई है और उनमें महत्वाकांक्षाएँ पैदा की हैं। भारत जब आज़ादी का शताब्दी उत्सव मना रहा होगा, तो वह हर क्षेत्र में नम्बर-1 होगा।

पुस्तक का अंतिम अध्याय %उवाच% गागर में सागर की तरह है, जहां देश के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय चर्चित हस्तियों के विचार समाहित हैं, जो मोदी जी के उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा करते हैं। इनमें स्वरकोकिला लता मंगेशकर, सुधा मूर्ति, आनन्द महिंद्रा,पीवी सिंधु, अनुपम खेर, नन्दन नीलेकणि आदि उल्लेखनीय हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पिछले नौ सालों में हुए महत्वपूर्ण कार्यों और प्रधानमंत्री के विज़न को समझने यह पुस्तक उपयोगी सिद्ध होगी। विभिन्न अध्यायों में विषय के अनुरूप चित्रों ने तथा आर्ट पेपर की उत्कृष्ट छपाई ने पुस्तक को नयनाभिराम भी बना दिया है। बधाई।

**बापू की दिनचर्या**

# दिन का भोजन (भाग-11)

**गतांक से आगे...**

वहाँ वे कोई गरम पेय नहीं लेते। मगनवाड़ी (वर्धा) में टॉल्स्टॉय फार्म की भाँति नारंगी के अधिक पेड़ थे। उसके छिलके व्यर्थ जाने देने की दृष्टि से बापू वहाँ भी नारंगी के छिलकों का मुरब्बा बनवाया करते। धानी से तेल निकालने के बाद बचनेवाली खली की पौष्टिकता की बात सुनकर उससे जायकेदार चीजें बनाकर आश्रमवासियों को खिलाने का विचार उनको आया। सो, एक दिन दही के योग से बनी खली की चटनी सबको परोसी गई। सोयाबीन को उबाल और कुचलकर बिना नमक मिर्च मिलाए खाने के प्रयोग भी हुए। दक्षिण भारत में इमली से बननेवाले रसम नामक पेय के स्थान पर इमली में गुड़ मिलाकर बापू द्वारा बनाया गया शर्बत लोगों ने काफी पसंद किया। बाद में दूसरी बार बिना गुड़ का, सिर्फ नमक मिलाया हुआ रसम बना, जिसका रंग और स्वाद दोनों ठीक न प्रतीत होने पर उसमें थोड़ी मूंगफली मिलाई गई। एक वैद्यजी से नीम की पत्तियों का गुणगान सुनकर वहाँ बापू नीम की चटनी लेते। एक बार दोपहर के समय सरदार वल्लभ भाई पटेल और जे. सी. कुमारप्पा बापू के अगल-बगल बैठे भोजन कर रहे थे। बापू ने कुमारप्पाजी की थाली में चम्मच भर नीम की चटनी परोस दी। सरदार पटेल कुमारप्पाजी से विनोद के स्वर में बोले-देखिए, बापू ने शुरुआत बकरी के दूध सेवन से की और अब उसके आहार पर नौबत आ पहुँची! दूसरा प्रसंग सन् 1940 का है- व्यक्तिगत सत्याग्रह के समय का। काशी से महाराजकुमार विजयानगरम् बापू से सत्याग्रह में भाग लेने की अनुमति प्राप्त करने उनके पास पहुँचे। भोजन के समय अपनी पद्धति के अनुसार उनको बापू ने बगल में बैठाया। उनको भोजन-सामग्री के साथ नीम की चटनी भी परोस दी गई। महाराजकुमार ने चटनी देखी तो सहज ही उसका बड़ा-सा कौर उठाकर मुँह में रख लिया। किंतु यह क्या! जीभ ने जैसे ही उस चटनी को छुआ कि बेचारी बहत असमंजस में पड़ भीतर ले जाते बनता, न बाहर उगलते बनता। भई गति साँप-छछूंदर केरी। महाराजकुमार की अजीब सकते की हालत थी। उगलें भी तो कैसे! गांधीजी जैसे । महापुरुष का वह प्रसाद और भीतर भी ले जाएँ तो कैसे! ऐसी कड़वी चीज भीतर ले जाने की आदी जीभ कभी थी नहीं!

**क्रमशः...**

## संक्षिप्त समाचार

### बृजमोहन,मूणत व चंद्राकर ने विमानतल पर किया शाह का स्वागत

**रायपुर।** केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज रायपुर होकर दुर्ग सभा लेने पहुंचे। इससे पूर्व भाजपा नेताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया. विमानतल पर पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल,राजेश मूणत व अजय चंद्राकर भी स्वागत करने पहुंचे हुए थे। इस बीच मूणत की किसी बात पर उन्होने मुस्कुराकर जवाब दिया। शाह आज काफी खुश नजर आ रहे थे।

### सरोज दीदी का जन्मदिन मनाने आ रहे हैं शाह-भूपेश

**रायपुर।** केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दुर्ग दौरे को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तंज कसते हुए कहा कि दुर्ग कांग्रेस का गढ़ है। अमित शाह सरोज दीदी का जन्मदिन मनाने आ रहे हैं। सरोज पांडेय का 22 जून को जन्मदिन है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे अमित शाह की कार्यकारिणी में सरोज पांडेय राष्ट्रीय महामंत्री रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्ग हमेशा से कांग्रेस का गढ़ रहा है। भले ही बीच में थोड़ी कमजोर हुई थी, लेकिन दुर्ग हमेशा से कांग्रेस का रहा है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि मनोज मुंतशिर कहते हैं कि हनुमान भगवान नहीं हैं। वो कहते हैं कि गैर भाजपा शासित मुख्यमंत्री विरोध कर रहे हैं, इसका मतलब वो खुद को भाजपा का बता रहे हैं। भगवान राम और हनुमान का इतना अपमान हो गया, लेकिन भाजपा के मुख्यमंत्री इसका विरोध नहीं कर रहे। यहां आकर भले ही कुछ लोग बयान दे रहे हैं, लेकिन अपने प्रदेश में इस फिल्म को बैन क्यों नहीं कराते।

### कांग्रेस का विधानसभा प्रशिक्षण शिविर 26 से 28 जून

**रायपुर।** विधानसभा चुनाव 2023 के परिप्रेक्ष्य में बूथ प्रबंधन सहित विधानसभा चुनाव की तैयारी के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 26 से 28 जून को दुर्ग संभाग व रायपुर जिले के अभनपुर सहित कुल 18 विधानसभा क्षेत्रों में विधानसभावार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होगा। 26 जून को डौण्डीलोहारा, दुर्ग ग्रामीण, भिलाई नगर, नवागढ़, कवर्धा, अभनपुर। 27 जून को साजा, खैरागढ़, डोंगरगढ़, डोगरगांव, खुज्जी, मोहला मानपुर तथा 28 जून को संजारी बालोद, गुण्डरदेही, दुर्ग शहर, अहिवारा, बेमेतरा, पंडरिया क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से विधानसभा चुनाव के विभिन्न पहलुओं, विषयों पर विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण शिविर में उस विधानसभा में निवासरत प्रदेश, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गण, सेक्टर जोन के कमेटी के अध्यक्ष, प्रभारी नगरीय-निकाय एवं जिला, जनपद पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधिगण, कृषि उपज मंडी, सहकारी समिति के पदाधिकारीगण भाग लेंगे।

### पटना एवं सिकंदराबाद समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन 1 सितंबर तक

**बिलासपुर।** रेल यात्रियो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन के द्वारा एक समर स्पेशल ट्रेन 03253/ 03256 पटना-सिकंदराबाद-पटना के मध्य चल रही समर स्पेशल ट्रेन के परिचालन 1 सितम्बर तक विस्तार किया गया है। यह गाड़ी पटना से प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को ट्रेन नंबर 03253 पटना-सिकंदराबाद समर स्पेशल ट्रेन 28 जून, तक चल रही समर स्पेशल ट्रेन के परिचालन में 30 अक्टूबर, तक विस्तार किया गया तथा सिकंदराबाद से प्रत्येक शुक्रवार को ट्रेन नंबर 07256 सिकंदराबाद-पटना समर स्पेशल ट्रेन नम्बर के साथ 30 जून, तक चल रही समर स्पेशल ट्रेन के परिचालन में 1 सितम्बर, तक विस्तार किया गया है।इस स्पेशल ट्रेन में 2 एसएलआर, 02 सामान्य, 14 स्लीपर, 04 एसी थ्री, 02 एसी-टू श्रेणी सहित कुल 24 कोच रहेगी। यह गाड़ी पूरी तरह आरक्षित है एवं केवल कंफर्म टिकट यात्रियों को ही यात्रा करने की अनुमति रहेगी।

### सीए सत्येन्द्र जैन के घर आयकर का छापा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक बार फिर आयकर की टीम ने दबिश दी है। एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के घर और दफ्तर में आयकर विभाग ने छापा मारा है। इस छापे में महत्वपूर्ण दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं।तेलीबांधा स्थित ऐश्वर्या रेसिडेंसी में रहने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट सत्येंद्र जैन के घर छापा पड़ा है। सुबह-सुबह तीन गाडियों में पहुंची थी टीम,कर चोरी से जुड़े इनपुट पर यह कार्यवाही हो रही है ऐसी जानकारी है।

### केंद्रीय गृहमंत्री को काला झंडा दिखाने से पहले एनएसयूआई कार्यकर्ता गिरफ्तार

**भिलाई नगर।** भिलाई पावर हाउस में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को काले झंडे दिखाने की कोशिश करने वाले सैकड़ों एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले शाह की सुरक्षा में पूरे शहर को छावनी में तब्दील कर दिया गया था।

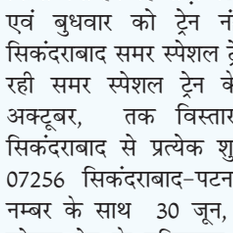

# बच्चों की रूचि को पहचानकर कैरियर चुनने के लिए दें मार्गदर्शनः डॉ. दासन

**रायपुर।** स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. एस भारती दासन ने कहा कि शिक्षक बच्चों को अपने कैरियर का चुनाव करने के लिए उनकी रूचि को पहचाने और मार्गदर्शन करें। डॉ. भारती दासन 'उजियारा ' कैरियर मार्गदर्शन एवं परामर्श कार्यक्रम के तहत राज्य से चयनित मास्टर ट्रेनर के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. एस भारती दासन और प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा श्रीमती इफ्फत आरा उजियारा कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात जिलों एवं स्कूलों में कार्यक्रम का संचालन होगा जिसमें प्रत्येक हाईस्कूल एवं हायरसेकेण्डरी स्कूल से एक-एक शिक्षक का कैरियर काउंसलर के रूप में चयन कर उन्हें मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासकीय स्कूलों के बच्चों के कैरियर के चुनाव एवं उज्जवल भविष्य के निर्माण से संबंधित था। कार्यशाला में 500 कैरियर कार्ड से संबंधित रिव्यू एवं चर्चा हुई। कार्यशाला का आयोजन यूनिसेफ और समग्र शिक्षा द्वारा 19 से 22 जून तक संयुक्त रूप से किया गया। कार्यशाला में राज्य से चयनित 66 हाईस्कूल और हायरसेकेण्डरी के शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण दिया गया।

स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. एस भारती दासन ने कार्यशाला में उपस्थित मास्टर ट्रेनर शिक्षकों से कहा कि बच्चें अपने आसपास में जिनके संपर्क में आते हैं वे उसी को अपने कैरियर के लिए चुन लेते हैं, जैसे- डाक्टर, शिक्षक, पुलिस इत्यादि। उन्होंने कहा कि हमें बच्चों को उनके कैरियर के चुनाव के लिए अलग-अलग विकल्पों के बारे में चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक के रूप में आप सब की यह भूमिका होनी चाहिए कि दसवीं के बाद विषय का चुनाव और बारहवीं कक्षा के बाद बच्चों को अपने कैरियर के चुनाव करने के लिए उनकी रूचि को पहचाने तथा मार्गदर्शन करें।

ज्यादातर बच्चों को विज्ञान या गणित विषय का चुनाव कर डाक्टर या इंजीनियर बनने का सुझाव दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कला विषय के माध्यम से भी बच्चें अपने कैरियर का चुनाव किन-किन क्षेत्रों में कर सकते हैं, इसकी जानकारी बच्चों को देना आवश्यक है। बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता क साथ भी चर्चा करना आवश्यक है, जिससे बच्चों की रूचि एवं भविष्य में उनके द्वारा चयन किए जाने वाले कैरियर के बारे में चर्चा हो। माता-पिता को उस बात के लिए भी प्रेरित करना आवश्यक है कि वह अपनी इच्छा को बच्चों पर न थोपें बल्कि बच्चों की रूचि को ध्यान में रखते हुए उनका सहयोग करें।

# सरकार योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही : अनिला भेंड़िया

**रायपुर।** महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया बुधवार को मोहला-मानपुर-अंबागढ़-चौकी जिले के जिला मुख्यालय मोहला में आयोजित शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों का दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में क्रियान्वयन, चुनौतियां एवं समाधान विषय पर आधारित कार्यशाला में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने बाल सरंक्षण, पोषण और बाल शिक्षा के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले सरपंचगणों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि नवगठित मोहला-मानपुर-अंबागढ़-चौकी जिला बनने से तेजी से विकास के कार्य हो रहे हैं। महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए राज्य सरकार योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। महिला बाल विकास विभाग के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने इंग्लिश मीडियम स्कूल संचालित किए जा रहे हैं, जिसमें गरीब और किसान के बच्चे भी पढ़ने जा रहे हैं। राज्य सरकार की अच्छी नीति के चलते अंग्रेजी माध्यम स्कूल में कम आय वर्ग वाले लोगों के बच्चों के पढ़ने का सपना आज साकार हो रहा है। समाज के लोग भी आगे आएं और बच्चों के कल्याण और संवर्धन में अपनी सहभागिता दें।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा एवं संवर्धन के लगातार काम किया जा रहा है। बचपन को सुदृढ़ बनाकर बच्चों के भविष्य को संवारने की दिशा में कार्य हो रहा है। महिलाओं को स्वावलंबी और आर्थिक मजबूती देने के लिए विभिन्न योजनाओं से जोड़कर उन्हें रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आर्थिक रूप से स्वावलंबी बने और समाज में अग्रणी भूमिका निभाएं, इसके लिए राज्य सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के पास हुनर की कोई कमी नहीं है, उन्हें केवल मंच और अवसर देने की जरूरत है।

संसदीय सचिव व क्षेत्रीय विधायक श्री इंद्रशाह मंडावी ने कहा कि मजबूत बचपन से बच्चे का पूरा भविष्य मजबूती के साथ आगे बढ़ता है।

# सिंधिया दल्लीमाइंस में सिलिका रिडक्शन प्लांट परियोजना का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे

**भिलाई।** केंद्रीय इस्पात और नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के भिलाई स्टील प्लांट के दल्ली माइंस में सिलिका रिडक्शन प्लांट का 23 जून को नई दिल्ली से वर्चुअल उद्घाटन करेंगे।

भिलाई इस्पात संयंत्र के दल्ली और राजहरा समूह की 60 साल पुरानी खदानों में लौह अयस्क के भंडार तेजी से कम हो रहे हैं और अध्ययन से पता चला है कि ब्लास्ट फर्नेस में अनुकूलतम उपयोग वाले वांछित ग्रेड के लिए 01 मिमी से कम आकार के लौह अयस्क को परिष्कृत करने की आवश्यकता है। दल्ली में मौजूदा क्रशिंग, स्क्रीनिंग और वॉशिंग (सीएसडब्ल्यू) वेट प्लांट के साथ यह लगभग 149 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से बना सिलिका रिडक्शन प्लांट लगाया गया है। यह संयंत्र अत्याधुनिक बेनीफेसीएशन उपकरणों से सुसज्जित है और इसका उद्देश्य भिलाई इस्पात संयंत्र को आपूर्ति किए जाने वाले लौह अयस्क को बढ़ाना है, जिससे ब्लास्ट फर्नेस से वार्षिक उत्पादन में वृद्धि होगी, कोक की खपत और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

केंद्रीय इस्पात मंत्री के नेतृत्व में, इस्पात मंत्रालय भारतीय इस्पात उद्योग में डी-कार्बोनाइजेशन को बढ़ावा देने और इस्पात उद्योग के सहयोग से ग्रीन स्टील उत्पादन के लिए दीर्घकालिक रोडमैप तैयार करने पर फोकस है। सेल खुद कार्बन न्यूट्रिलिटी के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ जुड़ा हुआ है, दल्ली-राजहरा खदान में सिलिका रिडक्शन प्लांट इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।यह परियोजना विभिन्न राज्य सरकारी एजेंसियों, स्थानीय प्रशासन और निर्वाचित प्रतिनिधियों की मदद से पूरी की गई है।

# वृक्षारोपण के दौरान ज्यादा से ज्यादा फलदार पौधे लगाएं: अकबर

**रायपुर।** वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने नवा रायपुर के अरण्य भवन में इस वर्ष वर्षा ऋतु में किए जाने वाले वृक्षारोपण कार्यक्रम की गहन समीक्षा की। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु 2023 में किए जाने वाले वृक्षारोपण के दौरान प्राथमिकता से ज्यादा से ज्यादा फलदार पौधे लगायें जाए एवं साथ ही नदी तट रोपण को विशेष प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने वनमण्डला अधिकारियों को अपने क्षेत्र में वृहद वृक्षारोपण के लिए व्यापक कार्ययोजना के तहत कार्य करने के निर्देश दिए हैं। वन मंत्री ने वन क्षेत्रों के अंदर, बाहर पौध रोपण तथा इस वर्ष विभिन्न योजनाओं के तहत किए जाने वाले वृक्षारोपण के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। इस वर्ष 2023 में कृष्ण कुंज में वृक्षारोपण का लक्ष्य, मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना, नदी तट वृक्षारोपण और सड़क किनारे वृक्षारोपण कार्यक्रम की समीक्षा की। नर्सरी में उपलब्ध समस्त प्रजातियों के पौधों को निःशुल्क वितरण के अतिरिक्त योजनाबद्ध तरीके से वन क्षेत्र का विस्तार करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव वन श्री मनोज कुमार पिंगुआ, श्री वी श्रीनिवास राव प्रधान मुख्य वन संरक्षक, श्री सुधीर अग्रवाल मुख्य वन्य प्राणी अभिरक्षक, श्री तपेश झा प्रबंध संचालक वन विकास निगम, श्री अनिल राय प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज मर्यादित संघ, श्री संजय कुमार ओझा प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्य आयोजना, समस्त वन वृतों के मुख्य वन संरक्षक तथा वन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की सर्वोच्च प्राथमिकता में से एक नदी तट के किनारे वृक्षारोपण करना है। इसके तहत विगत वर्षों की भांति वर्षा ऋतु में भी प्रदेश की हसदेव, गागर, बांकी, बुधरा, बनास, जमाड़, महानदी, शिवनाथ तथा खारून नदियों के तटों पर करीब 381 हेक्टेयर में लगभग 4 लाख 18 हजार 622 पौधों का रोपण किया जाएगा। जो न सिर्फ मृदा कटाव को रोकेगा, साथ ही छायादार, फलदार एवं अन्य बहुउद्देश्यों की पूर्ति भी भविष्य में स्थानीय नागरिकों की आवश्यकता के अनुरूप होगी।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री एवं वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग मंत्री के निर्देशों पर विभाग द्वारा अनूठी पहल करते हुए मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना इस वर्ष से प्रारंभ की जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषकों एवं अन्य हितग्राहियों के निजी भूमि पर वाणिज्यिक प्रजातियों के वृक्षारोपण, सहयोगी संस्था और निजी कम्पनियों की सहभागिता की स्थिति में उक्त प्रजातियों के वृक्षों का वापस खरीद सुनिश्चित करना, चयनित प्रजातियों के लिए प्रति वर्ष न्यूनतम क्रय मूल्य का निर्धारण करते हुए उनके आय में बढ़ोत्तरी करना, काष्ठ एवं प्लाईवुड आधारित उद्योगों को बढ़ावा देते हुए अतिरिक्त कर के रूप में शासन के राजस्व में वृद्धि लाना, रोजगार सृजन करना, वृक्षारोपण कार्य में सहयोगी संस्थाओं की सहभागिता से शासन के वित्तीय भार को कम करना है। मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजनांतर्गत कुल 26 हजार 216 कृषकों की निजी भूमियों पर 35 हजार 980.7 एकड़ रकबा में 2 करोड़ 26 लाख 27 हजार 3 सौ 23 पौधों का रोपण किया जाएगा।

# मेमू-पैसेंजर स्पेशल गाडियों का परिचालन अब गेवरा रोड स्टेशन तक

**बिलासपुर।** रेलवे प्रशासन द्वारा गेवरा रोड स्टेशन क्षेत्र के यात्रियों की मांग व उनकी बेहतर यात्रा सुविधा हेतु 02 जोड़ी मेमू/पैसेंजर स्पेशल गाडियों के परिचालन का विस्तार गेवरा रोड स्टेशन तक किया जा रहा है 7 अब ये गाडियां गेवरा रोड स्टेशन से/तक चलेगी। इस सुविधा की उपलब्धता से इस क्षेत्र के लोगों को गेवरा रोड स्टेशन से ही यात्रा करने की सुविधा प्राप्त होगी।

गाड़ी संख्या 08734 बिलासपुर-गेवरा रोड पैसेंजर स्पेशल का परिचालन बिलासपुर से 23 जून से आगामी सूचना तक गेवरा रोड स्टेशन तक किया जाएगा यह गाड़ी बिलासपुर से 09.35 बजे छूटेगी तथा 11.35 बजे कोरबा एवं 12.00 बजे गेवरा रोड स्टेशन पहुंचेगी। शेष स्टेशनों में इसकी समय सारिणी यथावत रहेगी

गाड़ी संख्या 08733 गेवरा रोड-बिलासपुर पैसेंजर स्पेशल का परिचालन गेवरा रोड से 23 जून से आगामी सूचना तक किया जाएगा। यह गाड़ी गेवरा रोड से 13.10 बजे छूटेगी तथा 13.30 बजे कोरबा एवं 15.40 बजे बिलासपुर स्टेशन पहुंचेगी। शेष स्टेशनों में इसकी समय सारिणी यथावत रहेगी।

गाड़ी संख्या 08746 रायपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर स्पेशल का परिचालन रायपुर से 23 जून से आगामी सूचना तक गेवरा रोड स्टेशन तक किया जाएगा । यह गाड़ी रायपुर से 13.50 बजे छूटेगी तथा 17.00 बजे बिलासपुर, 19.05 बजे कोरबा एवं 19.30 बजे गेवरा रोड स्टेशन पहुंचेगी। शेष स्टेशनों में इसकी समय सारिणी यथावत रहेगी।

गाड़ी संख्या 08745 गेवरा रोड-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल का परिचालन गेवरा रोड से 24 जून से आगामी सूचना तक किया जाएगा।यह गाड़ी गेवरा रोड से 06.30 बजे छूटेगी तथा 06.45 बजे कोरबा, 08.50 बजे बिलासपुर एवं 11.25 बजे रायपुर स्टेशन पहुंचेगी ।शेष स्टेशनों में इसकी समय सारिणी यथावत रहेगी ।

# रविवि में पीजी प्रवेश 23 जून से 25 जुलाई तक

रायपुर। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पंडित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय के अंतर्गत समस्त शासकीय व अशासकीय महाविद्यालयों में संचालित समस्त स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों (पोस्ट ग्रेजुएशन) एलएल.बी., एलएल. एल. बी.पी.एड. डिप्लोमा, पी. जी. डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पोर्टल में 23 जून से 25 जुलाई तक खोली गई है। समस्त महाविद्यालयों को उनके महाविद्यालय के लिए आवेदित छात्र-छात्राओं की सूची प्रदान की जायेगी। महाविद्यालय प्राप्त सूची में पात्र छात्र / छात्राओं का गुणात्मक क्रम में मेरिट सूची तैयार कर छ.ग. शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2023-24 के लिए जारी प्रवेश मार्गदर्शिका के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करेंगे।

### प्रथम चरण में प्रवेश हेतु तिथि

महाविद्यालयों को सूची प्रदान करने की तिथि - 05/07/2023

महाविद्यालयों द्वारा विषयवार मेरिट सूची जारी किये जाने की तिथि - 06/07/2023। महाविद्यालयों में प्रवेश लेने की तिथि - 06/07/2023 से 12/07/2023 तक। महाविद्यालयों को सूची प्रदान करने की तिथि महाविद्यालयों द्वारा विषयवार मेरिट सूची जारी किये जाने की तिथि 3 महाविद्यालयों में प्रवेश लेने की तिथि

### द्वितीय चरण में प्रवेश हेतु तिथि

महाविद्यालयों को सूची प्रदान करने की तिथि - 12/07/2023। महाविद्यालयों द्वारा विषयवार मेरिट सूची जारी किये जाने की तिथि - 13/07/2023। महाविद्यालयों में प्रवेश लेने की तिथि - 13/07/2023 से 21/07/2023 तक

### तृतीय चरण में प्रवेश हेतु तिथि

महाविद्यालयों को सूची प्रदान करने की तिथि - 21/07/2023। महाविद्यालयों द्वारा विषयवार मेरिट सूची जारी किये जाने की तिथि - 22/07/2023। महाविद्यालयों में प्रवेश लेने की तिथि - 22/07/2023 से 31/07/2023 तक। 31 जुलाई को रिक्त स्थान सभी वर्गों के लिए खोल दिया जायेगा, जिसको महाविद्यालय के प्राचार्य नियमानुसार अपने स्तर पर पूर्ण करेंगे। स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए ऑनलाईन प्रवेश शासन द्वारा जारी प्रवेश मार्गदर्शन के अनुरूप होगा। विश्वविद्यालय के लिखित अनुमति लिये बिना कोई भी महाविद्यालय ऑफलाईन प्रवेश प्रदान नही करेंगे।

# राज्य के हर जिले में एक आदर्श पंचायत निर्माण करने गिरिराज ने दिए निर्देश

■ ग्रामीण विकास एवं पंचायती राजविभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

**रायपुर।** केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री श्री गिरीराज सिंह ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिलाओं की आमदनी 10 से 15 हजार रुपए तक बढ़ाने के लिए मॉडल तैयार करने और राज्य के हर जिले में एक आदर्श पंचायत निर्माण करने के निर्देश रायपुर में आयोजित ग्रामीण विकास, भूमि संसाधन एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारियोंके साथ हुई समीक्षा बैठक में दिए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में आजीविका मिशन के तहत महिलाओंकी आमदनी कम है, उसे बढ़ाना आवश्यक है। राज्यमें रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए सूअर पालन का व्यवसाय अधिक लाभदायी हो सकता हैं। इसके अलावा मुर्गी, बकरा, गाय- भैंस पालनपर भी जोर दिया जाए, जिससे महिलाओंकी आमदनी बढ़ सकती है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के काम भी राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत करने के निर्देश मंत्री गिरीराज सिंहने अधिकारियोंको दिये।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत राज्य में 11 लाख 76 हजार घर बनाने के लिए स्वीकृती दी गई थी, जिसमें से 8 लाख 61 हजार 500 घर बनकर तैयार हैं। इस समय 3 लाख 14 हजार घर निर्माणाधिन है। इन सभी घरों के चारों ओर फलदार और टिंबर के पेड़ लगाने के भी निर्देश श्री गिरीराज सिंह ने दिये। उन्होंने जोर दिया कि, इन पेड़ों सेभी परिवार को आमदनी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 तक देश की 10 करोड़ महिलाओंको लखपति बनाने का लक्ष्य रखा गया है, इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए महिलाओंहेतु रोजगार सृजन के अवसर बढ़ाने के लिए उन्होंने सभी अधिकारियोंको निर्देश दिये। राज्यमें 28 लाख महिलाओंको लखपति बनाने का लक्ष्य हैऔरअभीतक चार लाख महिलाएं लखपति बन चुकी हैं।

बैठक में उन्होंने राज्य के 40 लाख महिलाओंको प्रधानमंत्री जीवन ज्योतिबीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना आदि सामाजिक सुरक्षा योजनाओंका लाभ भीपहुंचाने केनिर्देशदिये। आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से कोई भी महिला वंचित न रहे, इसके लिए भी विशेष प्रयास करने करने निर्देश दिए ।

राज्य के हर जिले में एक आदर्श पंचायत का निर्माण करने का आवाहन केन्द्रीय मंत्री श्री गिरीराज सिंह ने अधिकारियों से किया। संयुक्त राष्ट्र के दिशानिर्देशानुसार आदर्श पंचायत का निर्माण किया जा सकता है। इसमें शिक्षा पंचायत- जिसमें गांव के सभी बच्चों का स्कूलमेंआना, रोजगार सृजन पंचायत-जिसमें गांव की सभी घर की महिलाएं स्वयं सहायता समूहकी सदस्य होना आवश्यक है, स्वस्थ पंचायत- जिसमें स्वास्थ्य की सुविधा है, कार्बन न्यूट्रल पंचायत- जिसमें गांवमें फलदार और टिंबर के पेड़ लगाये गए हों, जलयुक्त पंचायत- जिसमें गांव का पानी गांव मेंही संचित रहे और सभी घर नल-जल से जुड़े हुएहों। हरित पंचायत के लिए गांव पेड़ पौधोंसे हरा- भरा करने के निर्देश देते हुए उन्होंने की इस कार्यमें जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

इसके साथ ही उन्होंने पंचायत की आमदनी बढ़ाने पर भी जोर दिया। सुविधा उपलब्ध होने पर पंचायत टैक्स लगा सकती हैं, जिससे पंचायत को सतत आमदनी होगी। उन्होंने कहा किपंचायत के स्तर पर 100 ग्रामसभा का आयोजन किया जाना चाहिए और उसमें अलग-अलग विषयों पर चर्चा करके ग्रामीणों को निर्णय लेने देना चाहिए है, जिससे पंचायत के विकास में उनकी भागीदारी बढ़ सकेगी।

# सोनिया-मनमोहन ने 12 लाख करोड़ का घोटाला किया : अमित शाह



दुर्ग/पेंड्रा। छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार और प्रदेश की भूपेश बघेल सरकार पर जमकर निशाना साधा। दोनों को घोटालों की सरकार बताया। शाह ने कहा कि, सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह ने 10 साल शासन किया। इस दौरान 12 लाख करोड़ का घोटाला किया। वहीं नौ साल में मोदी जी पर एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता। यही हाल छत्तीसगढ़ में भी भूपेश बघेल सरकार का है। वो भी यहां वही कर रहे हैं।

### जय श्रीराम के उद्घोष के साथ जनसभा की शुरुआत

दुर्ग के रविशंकर स्टेडियम में गृहमंत्री अमित शाह ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ जनसभा की शुरुआत की। कहा कि, ये प्रभु श्रीराम की ननिहाल है और उनके वन गमन का मार्ग भी है। भगवान राम को प्रणाम करता हूं। उन्होंने भाइयों और बहनों के साथ युवाओं को मेरे जिगर के टुकड़ों जैसे युवा मित्रों कहकर संबोधित किया। शाह ने कहा कि, 2014 के लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में 11 में से 10 सीटें आप लोगों ने दीं। 2019 में भी 11 सीटें देने का काम छत्तीसगढ़ की जनता ने किया है।

### मोदी ने आतंकवाद का सफाया किया

अमित शाह ने लोगों से पूछा कि, अब 2023 में विधानसभा का चुनाव है, यहां किस पार्टी की सरकार बनेगी? 2024 में राहुल बाबा और मोदी जी कौन प्रधानमंत्री बनेगा?, जोर से बोलो। अमित शाह ने कहा कि, जब सोनिया और मनमोहन सिंह शासन करते थे, देश में आतंकी घटनाएं होती थीं। पाकिस्तान से लोग घुस जाते थे और सिर काट देते थे। मनमोहन सिंह की सरकार उफ तक नहीं करती थी। मोदी जी की सरकार आई। उरी और पुलवामा हमला किया। 10 दिन में मोदी जी एयर स्ट्राइक की और घर में घुसकर आंतकवाद का सफाया कर दिया।

### कहते थे धारा-370 हटी तो खून बहेगा कंकड़ तक नहीं चले

गृहमंत्री शाह ने लोगों से पूछा कि, कश्मीर हमारा है या नहीं है? धारा 370 हटनी चाहिए थी या नहीं? उन्होंने कहा कि, कांग्रेस ने 70 साल में बच्चे की तरह इस धारा को संभाला। धारा 370 हटी तो कांग्रेस के नेता राहुल बाबा के नेतृत्व में कहते थे कि इसे मत हटाओ, कश्मीर में खून की नदिया बह जाएंगी। अब धारा 370 हट गई, खून की नदिया छोड़िए, कंकड़ तक नहीं चले। मोदी सरकार के नौ साल भारत गौरव, गरीब कल्याण, भारत उत्कर्ष के नौ साल हैं। गरीब कल्याण के लिए ढेर सारे काम किए।

### कांग्रेस ने राम मंदिर को लटकाए रखा

अमित शाह ने कहा कि, बाबर ने अयोध्या में राम मंदिर तोड़ा था। उसके बाद जब कांग्रेस की सरकार बनी तो उसने लटकाए रखा। मंदिर बनने नहीं दिया। मोदी जी ने एक दिन जाकर भूमि पूजन किया। अब भव्य मंदिर तैयार हो रहा है। आप लोग जनवरी में पूजन के लिए तैयार रहना। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस ने श्रीराम का अपमान करने का काम किया। मोदी जी ने जन्मस्थान में सम्मान के साथ भगवान राम को बिठाने का काम किया। मोदी जी के नेतृत्व में देश 11वें नंबर से पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बना। देश का सम्मान दुनिया के सामने बढ़ाया।

### ये वादा खिलाफी करने वाली सरकार

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है। ये वादा खिलाफी करने वाली सरकार है। शराबबंदी की घोषणा कर होम डिलीवरी की सुविधा शुरू की। रेडी टू ईट बनाने वाली 22 हजार महिलाओं की नौकरी चली गई। प्रदेश में एक लाख करोड़ का कर्जा भी कर दिया है। तेंदूपत्ता का 500 करोड़ रुपये गरीब आदिवासियों का बकाया है। एक लाख नौकरी की बात कही, लेकिन नहीं दी। कांग्रेस के शासन में वामपंथी उग्रवाद चरम पर था। आज बस्तर के कुछ हिस्से को छोड़कर हर जगह कंट्रोल में है।

## आदिपुरुष को बैन करें केंद्रीय गृहमंत्री : भूपेश

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज गुरुवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। वे सबसे पहले राजधानी रायपुर पहुंचकर चौपर से दुर्ग के लिए रवाना हुए। वे ब्सेस्र के हेलीकॉप्टर से दुर्ग जिले के जयंती स्टेडियम पहुंचे। यहां से सड़क मार्ग से पांडवानी गायिका पद्मश्री ऊषा बारले के सेक्टर 1 भिलाई निवास के लिए रवाना हुए। बारले के घर की ओर जाने वाले सभी रास्ते में पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई है। 500 से अधिक जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। उनके घर पर पुलिस जवान तैनात हैं। केंद्रीय गृहमंत्री शाह के आने से पहले प्रदेश की सियासत गरमाई हुई है। मामले में सत्तापक्ष और विपक्ष एक दूसरे को घेरने में लगे हुए हैं। इस क्रम में प्रदेश के मुखिया सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर शाह पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि राम के ननिहाल में उनका स्वागत है। मैं उनसे आग्रह करता हूं कि रामायण और राम की छवि बिगाड़ने वाली फिल्म आदिपुरुष को बैन करने की घोषणा करें। जय सिया राम।

### बघेल यहां घोटाले पर घोटाले कर रहे हैं

शाह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर भी निशाना साधा। आरोप लगाया कि बघेल साहब, यहां घोटाले पर घोटाले कर रहे हैं। शराब घोटाला 2000 करोड़, परिहन कोयला घोटाला 500 करोड़, गौठान घोटाला 1300 करोड़, पब्लिक सर्विस कमीशन घोटाला। कहा कि, कारोना सेस लगाया, पर खर्च नहीं किया। यह सरकार हर मोर्चे पर फेल रही। उन्होंने कहा कि, आदिवासी बच्चे इलाज के अभाव में मारे गए। संरक्षित जनजाति के सैकड़ों लोग कुपोषण का शिकार बने। एक हजार किसानों ने आत्महत्या की। प्रदेश में 5000 से ज्यादा दुष्कर्म हुए।

## 'खुश होकर गए हैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाहः डॉ. रमन

रायपुर। पूरे प्रदेश में महान जनसंपर्क अभियान चल रहा है. एक बड़ा कार्यक्रम हुआ है. अमित शाह खुश होकर गए हैं. छत्तीसगढ़ की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है. पूरे प्रदेश में जबरदस्त रूप से उत्साह का वातावरण बना हुआ है. यह बात पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह के दुर्ग-भिलाई में आयोजित कार्यक्रम को लेकर कही.केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की लगभग 20 मिनट बातचीत हुई. गृह मंत्री के रवाना होने के बाद डॉ. रमन सिंह ने मीडिया से चर्चा की. उन्होंने पद्मश्री उषा बारले से अमित शाह के मुलाकात पर कहा कि महा जनसंपर्क अभियान में समाज के सभी लोगों से मिलना और बातचीत करना है. उषा बारले पद्मश्री रही हैं. गृहमंत्री उन्हें सम्मान देने के लिए उनके निवास पर गए थे. ये अच्छी बात है. राष्ट्रीय नेतृत्व छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को महत्व दे रहा है.आदिपुरुष फ़िल्म पर डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री बार-बार एक ही बात करते हैं. आखिर बताएं 'आदिपुरुष' को पूरे हिंदुस्तान में कहां बैन किया गया है. जिन शब्दों पर आपत्ति थी, उन शब्दों को हटा दिया गया है. इसको बार-बार मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए. टिकट वितरण की चर्चा पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे समय पर टिकट वितरण की बातचीत नहीं की जाती है. इसका एक अलग समय होता है. समय पर बातचीत होगी.

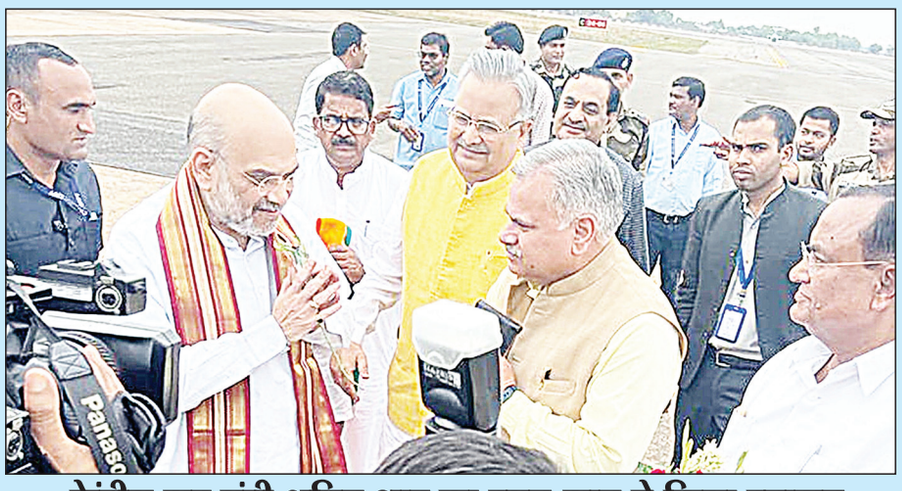



## केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का रमन-साव ने किया स्वागत

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को एक दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर माना विमानतल पर पहुंचे जहां छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, पूर्व मुख्यमंत्री डा रमन सिंह सहित प्रदेश संगठन के दिग्गज नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह के बाद शाह दुर्ग जिला के लिए रवाना हो गए।

## रीपा से ग्रामीण क्षेत्रों में हुनर को मिल रही नई पहचान

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की नवाचारी पहल रीपा की स्थापना से लघु उद्यम को बढ़ावा मिल रहा है और अधोसंरचना के निर्माण से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिली है। रीपा जहां ग्रामीणों के लिए आजीविका का केन्द्र बना है। वहीं उद्योगों के विकास और व्यवसाय को विस्तार देने में भी मद्दगार साबित हो रही है। ग्रामीण युवा उद्यमी रोजगार प्राप्त कर गांव के आर्थिक विकास में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। रीपा से आए बड़े बदलाव से युवा उत्साहित है और शासन की इस पहल की सराहना भी कर रहे हैं।कोरबा जिले के ग्राम चिर्रा में स्थापित रीपा से यहां के ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर मिले हैं। यहां रीपा में गेहूं, चना दाल मिल यूनिट, हल्दी, मिर्च, मसाला प्रोसेसिंग यूनिट, आचार निर्माण, दोना-पत्तल, चप्पल निर्माण, गोबर पेंट, पेवर ब्लॉक, फ्लाईएश ब्रिक्स निर्माण के यूनिट स्थापित किए गए हैं। साथ ही लोगों को बेहतर ढंग से काम करने के लिए सभी सुविधाएं मुहैया करायी जा रही है। ऊर्जा एवं उत्साह से भरपूर ग्रामीण महिलाएं एवं लघु उद्यमी रीपा से जुड़कर अपने हुनर को नई पहचान दे रहे हैं।

## आदिपुरुष को बैन करने की ताकत नहीं, श्रीराम के नाम पर राजनीति कर रहे सीएमः बृजमोहन



रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ प्रवास के बहाने मूवी आदिपुरुष को लेकर प्रदेश की सियासत फिर गरमाई हुई है। मामले में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ट्वीट के बाद बीजेपी के पूर्व मंत्री और रायपुर दक्षिण के वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने पलटवार किया है। विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने सीएम भूपेश बघेल पर निशाना साधा है।

उन्होंने जवाबी हमला करते हुए ट्वीट कर लिखा कि आदरणीय मुख्यमंत्री @bhupeshbaghel जी आपने आदिपुरुष के रिलीज के बाद से उनमें तरह-तरह की कमियां बताई है। मगर आपने अब तक उसे पूरे प्रदेश में बैन करने की घोषणा नहीं की और अब आप देश के गृहमंत्री जी के दौरे पर उनसे बैन की आग्रह कर रहे हैं। आप और आपकी पार्टी श्रीराम जी को केवल राजनीति के लिए इस्तेमाल करते आयी है। इन सभी हरकतों से यह साफ स्पष्ट होता है कि आपके अंदर निर्णय लेने की क्षमता नहीं है और वक्त-वक्त पर प्रदेश को आप अपना दोहरा चरित्र दिखाते रहते हैं।इससे पहले सीएम भूपेश ने ट्वीट कर लिखा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी का भगवान राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में सभी श्री राम भक्तों और प्रदेशवासियों की ओर से स्वागत है। साथ ही विनम्र निवेदन करता हूँ कि आज ही रामायण और प्रभु की छवि बिगाड़ने वाली फिल्म ऋआदिपुरुष को बैन करने की घोषणा करें। दूसरे ट्वीट में लिखा कि हम सबको यह खेद रहेगा कि केंद्रीय गृहमंत्री जी प्रभु श्रीराम के ननिहाल आए और ऋआदिपुरुष पर बैन की घोषणा किए बिना चले गए। कुछ चीजें राजनीति से ऊपर होती हैं।

**छत्तीसगढ़/राजधानी**
**प्रमुख समाचार**

## अमित शाह कांग्रेस के लिये शुभांकरः मरकाम

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि अमित शाह कांग्रेस के लिये शुभांकर है। अमित शाह जब- जब भी भाजपा के चुनाव प्रचार का आगाज करते है। भाजपा के लिये जो भी दावा करते है। वो कांग्रेस के लिये शुभ होता है। 2018 में अमित शाह ने दावा किया था कि भाजपा की 65 सीटे आयेगी। कांग्रेस की 67 सीटे आई। फिर से अमित शाह दावा करके जा रहे है, भाजपा के पक्ष मे। एक बार फिर से छत्तीसगढ़ में दो तिहाई बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनेगी। हमारा नारा है अब की बार 75 पार वह साबित होगा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि अमित शाह भ्रष्टाचार की बड़ी- बड़ी बाते कर रहे थे। लेकिन अडानी की शेल कंपनियों में 20 हजार करोड़



रूपये कहां से आया उसके बारे में मौन रहे? अडानी और मोदी के गठबंधन के बारे में मौन रहे? अडानी के हिडन बर्ग घोटाले पर मौन रहे? छत्तीसगढ़ की जनता की तरफ से कांग्रेस ने अमित शाह से 17 सवाल पूछे थे। जो देश के संदर्भ में था, छत्तीसगढ़ के संदर्भ में था, उसके बारे भी अमित शाह मौन रहे। अमित शाह की जुमलेबाजी छत्तीसगढ़ में नहीं चलने वाली। छत्तीसगढ़ के नान घोटाले, चिटफंड घोटाले, पनामा पेपर वाले अभिषाक सिंह पर अमित शाह ने एक शब्द नहीं बोला।

## कांग्रेस ने फिल्म निर्माणकर्ताओं का फूंका पुतला

कबीरधाम। फिल्म आदिपुरुष का विरोध बढ़ता ही जा रहा है। अब इस मूवी के विरोध में कांग्रेस भी सड़कों पर उतर आई है। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में कांग्रेसियों ने जगह-जगह फिल्म निर्माणकर्ताओं का पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने कहा कि फिल्म बनाने वालों ने हिंदुओं के आराध्यों का अपमान किया है। उनकी उनकी गिरफ्तारी की जानी चाहिए। कांग्रेस ने राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से इस फिल्म को बनवाने का भी आरोप लगाया है। कहा कि इसके लिए सेंसर बोर्ड जिम्मेदार है। मूवी आदिपुरुष के विरोध में अब कांग्रेस खुलकर सामने आ गई है। कबीरधाम जिले में अलग-अलग स्थानों से पहुंचे कांग्रसी कांग्रेस भवन में एकत्र हुए। इसके बाद अलग-अलग स्थानों पर भरी दोपहरी में फिल्म का विरोध करते हुए निर्माणकर्ताओं का पुतला फूंका। छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण के सदस्य कन्हैया लाल अग्रवाल ने कहा कि फिल्म आदिपुरुष में जिस तरह से हिन्दुओं के आराध्यों को प्रस्तुत किया गया है, उससे सभी हिंदू खुद को अपमानित महसूस कर रहा है।उन्होंने कहा कि, आदिपुरुष फिल्म बनाने वालों ने जानबूझकर हिन्दुओं के आराध्यों के पात्रों के जिस तरह संवाद बुलवाए हैं वो बहुत ही आपत्तिजनक है। इसके लिए फिल्म सेंसर बोर्ड भी जिम्मेदार है, जिसने इस फिल्म को हरी झण्डी दी है। कन्हैया अग्रवाल ने फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, निर्देशक ओम राउत, लेखक और गीतकार मनोज मुंतशीर सहित फिल्म निर्माण में शामिल टीम के सभी जिम्मेदारों पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है।

## जांच से खातेदारों को न्याय मिलेगाः सुशील आनंद शुक्ला

रायपुर। अदालत ने इंदिरा बैंक घोटाले के जांच को जारी रखने के आदेश दिये है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इससे न्याय की उम्मीद जगी है। कांग्रेस पार्टी शुरूआत से ही इंदिरा बैंक के खातेदारों को न्याय दिलाने के लिये संघर्षरत है।

हमारा इरादा इस मामले के दोषियों को सजा दिलाना का है। हमारे लिये यह राजनीति का विषय नहीं है और न ही राजनैतिक बदला भांजने का अवसर है हम चाहते है दोषी कोई भी हो कितना भी रसूखदार क्यों न हो सजा जरूर मिलना चाहिये। खातेदारो का पैसा वापस हो हमारा उद्देश्य है। इंदिरा बैंक घोटाले की बड़ी रकम जो करोड़ो में है भाजपा के बड़े नेताओं के पास घूस के रूप में पहुंची। भाजपा के घूसखोर नेताओं से इस रकम की वसूली की जानी चाहिये। इंदिरा बैंक घोटाले में गरीबो को न्याय देना कांग्रेस का लक्ष्य है।प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक घोटाले में बैंक में लगभग 22000 गरीब खातेदारो को पैसे का बंदर बांट बैंक के पदाधिकारियों और अधिकारियो ने किया था। इस मामले में जांच के दौरान पुलिस ने अदालत से आरोपी बैंक मैनेजर उमेश सिन्हा का नार्को टेस्ट कराने की अनुमति मांगी थी।

## वनांचलों में बढ़ रहा सिंचाई का रकबा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वनांचलों के नालों में कैम्पा मद से किए जा रहे भू-जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों से नालों को पुनर्जीवित करने में अच्छी सफलता मिली है। अब नालों में वर्षभर पानी रहने से यहां के रहवासियों को सिंचाई की सुविधा मिलने लगी है। जिससे यहां खेती-किसानी और मछलीपालन जैसी गतिविधियों में वृद्धि हो रही है। स्थानीय निवासियों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है। सिंचाई सुविधा वाले वनांचलों के किसान भी अब खरीफ और रबी फसलों के साथ-साथ सब्जियों का उत्पादन करने लगे हैं।मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर वन क्षेत्रों में प्रारंभ किए गए नरवा विकास कार्यक्रम के तहत् अब तक प्रदेश के वनांचल के 6395 नालों को उपचारित किया जा चुका है। जिससे आस-पास के इलाके के भू-जल स्तर में 15 से 20 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि नालों में पानी की उपलब्धता बढ़ने से वनांचलों में सिंचाई का रकबा बढ़ रहा है, साथ ही उपचारित क्षेत्रों में जंगली-जानवरों को भी अब बारहों महीने पानी उपलब्ध हो रहा है। जिन क्षेत्रों में भू-जल स्तर बढ़ा है वहां के तालाब और स्टॉप डेम में स्थानीय निवासी अब मछली पालन कर रहे हैं। खेती और मछलीपालन से लोगों को आजीविका का अच्छा साधन मिल रहा है।वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वनांचलों के छोटे-बड़े 1393 नालों में किसान 664 सिंचाई पम्पों के माध्यम से अपने खेतों में सिंचाई कर खरीफ और रबी की फसल ले रहे हैं।

## कांग्रेस का विधानसभा प्रशिक्षण शिविर 26 से 28 जून

रायपुर। विधानसभा चुनाव 2023 के परिप्रेक्ष्य में बूथ प्रबंधन सहित विधानसभा चुनाव की तैयारी के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिनांक 26 से 28 जून को दुर्ग संभाग व रायपुर जिले के अभनपुर सहित कुल 18 विधानसभा क्षेत्रों में विधानसभावार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होगा।



26 जून को डौण्डीलोहारा, दुर्ग ग्रामीण, भिलाई नगर, नवागढ़, कवर्धा, अभनपुर।

27 जून को साजा, खैरागढ़, डोंगरगढ़, डोगरगांव, खुज्जी, मोहला मानपुर।

28 जून को संजारी बालोद, गुण्डरदेही, दुर्ग शहर, अहिवारा, बेमेतरा, पंडरिया।

प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से विधानसभा चुनाव के विभिन्न पहलुओं, विषयों पर विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण शिविर में उस विधानसभा में निवासरत प्रदेश, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गण, सेक्टर जोन के कमेटी के अध्यक्ष, प्रभारी नगरीय-निकाय एवं जिला, जनपद पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधिगण, कृषि उपज मंडी, सहकारी समिति के पदाधिकारीगण भाग लेंगे।

# कोहिनूर की दीवार तोड़ने की कार्यवाही को मिला स्थगन

■ उच्च न्यायालय ने दिया आरती बिल्डर के निदेशक और मोवा थाना प्रभारी को अवमानना का नोटिस

रायपुर। अशोक रत्न टाउनशिप के कोहिनूर अपार्टमेंट में बिल्डर के द्वारा दीवार तोड़े जाने के बाद छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कार्यवाही पर स्थगन देते हुए आरती बिल्डर के निदेशक और मोवा थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर को न्यायालय की अवमानना का नोटिस जारी किया है। मामला कोहिनूर सोसायटी के रहवासियों की इच्छा के विरुद्ध अवैध रूप से दीवार तोड़कर रास्ता बनाने से जुड़ा है।

बिल्डर कोहिनूर के पीछे एक नई सोसायटी डेवलप कर रहा है जिसका रास्ता पीछे मोवा से खुलता है। अशोक रत्न के मुख्य गेट से जोड़ने के लिए रास्ता कोहिनूर सोसायटी से होकर देने का निर्णय लिया गया। इसके विरुद्ध कोहिनूर निवासियों ने रेरा में प्रकरण दर्ज कराया। रेरा का निर्णय बिल्डर के पक्ष में आया, तब दीवार तोड़ने की कार्यवाही शुरू की गई, इधर कोहिनूर निवासियों ने उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश ले आए। इस बीच प्रकरण रेरा अपीलीय प्राधिकरण में गया। यहां भी निर्णय 12 जून को बिल्डर के पक्ष में आया। बिना समय गंवाए बिल्डर ने कोहिनूर की दीवार को तोड़ने की कार्यवाही शुरू कर दी। इसके विरुद्ध कोहिनूर निवासी पुन: उच्च न्यायालय की शरण में गए, जस्टिस गौतम भादुड़ी और संजय कुमार जायसवाल ने बिल्डर की कार्यवाही को तत्काल रोकने का आदेश दिया, तथा मोवा थाने के प्रभारी को फोन करके कार्यवाही रुकवाने कहा लेकिन उन्होंने कोई कार्यवाही नहीं की। इससे नाराज उच्च न्यायालय के न्यायधीश गौतम भादुड़ी और संजय कुमार



जायसवाल की पीठ ने बिल्डर और मोवा थानेदार के विरुद्ध कोर्ट की अवमानना मानते हुए नोटिस जारी किया है।अपीलकर्ता/शिकायतकर्ता के वकील ने मामले में तत्परता दिखाते हुए कल इस अपील का उल्लेख किया था और इसे आज सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया था।

चूंकि यह सूचित किया गया था कि अपीलीय न्यायाधिकरण ऋऋॠ द्वारा 12.06.2023 को आदेश पारित किए, जाने के बाद प्रतिवादी द्वारा अचानक बुनियादी ढांचे का विध्वंस किया गया है। इन परिस्थितियों में, अपीलकर्ता के विद्वान वकील ने प्रस्तुत किया कि उन्होंने प्रतिवादी के विद्वान वकील को सूचित किया था, जिन्होंने उपस्थित होने के लिए कैविएट दायर की थी, लेकिन उन्होंने उपस्थित होने से इनकार कर दिया और कहा कि जब मामला सूचीबद्ध होगा तो वह उपस्थित होंगे।वकील विक्रम शर्मा, उप. जी.ए. जो अदालत में मौजूद थे, उनसे अनुरोध किया गया कि वे संबंधित थाना प्रभारी को सूचित करें कि मामले को कल सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद, शाम लगभग 4.25 बजे विद्वान राज्य वकील ने कहा। बताया कि उन्होंने मोवा थानेदार को इसकी सूचना दे दी है। इधर, अपीलकर्ता के वकील ने अपनी दलील शुरू करने से पहले कहा कि विध्वंस कल पूरी रात के लिए किया गया था और मामले की लिस्टिंग की जानकारी के बाद भी प्रतिवादी और संबंधित थाना प्रभारी ने कार्यवाही रोकने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह सलाह का पालन नहीं करेंगे, निवासियों ने पुलिस स्टेशन का दौरा भी किया लेकिन थाना प्रभारी ने प्रतिवादी को विध्वंस कार्य करने से प्रतिबंधित करने के आदेशों का पालन करने से इनकार कर दिया।

न्यायाधीश गौतम भादुड़ी और संजय कुमार जायसवाल ने कहा कि यह स्थिति प्रथम दृष्टया अदालत की अंतरात्मा को परेशान करती है क्योंकि जानबूझकर अवज्ञा के कृत्य से किसी अपील को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिए जाने पर उसे निष्फल नहीं बनाया जा सकता है। न्यायालय ने संबंधित र.॥ह, मोवा और निदेशक आरती इन्फ्रास्ट्रक्चर और बिल्डकॉन लिमिटेड को निर्देश दिया जाता है कि वे सुनवाई की अगली तारीख पर इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें और बताएं कि उनके अधिकार को कमजोर करने के लिए उनके खिलाफ उचित अवमानना ??कार्यवाही क्यों नहीं की जाए।

## आज से बदलेगा मौसम का मिजाज

रायपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवा और प्रबल हो गई है। इसके साथ ही मानसून की आहट आने लगी है। मौसम विभाग का कहना है कि गुरुवार से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलेगा और अधिकतम तापमान में गिरावट का दौर शुरू होगा। अगले दो दिनों में चार डिग्री सेल्सियस तक अधिकतम तापमान में गिरावट आएगी। इसके साथ ही प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अंधड़ चलने के साथ ही वर्षा भी होगी। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि इस सप्ताह के आखिर तक प्रदेशभर में मानसून सक्रिय हो जाएगा।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.